



दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

 jaipurtimes.org

 twitter.com/JaipurTimes2

 dainikjaipurtimes

 youtube.com/c/JaipurTimes

 instagram.com/jaipurtimesjt

वर्ष : 10

अंक : 6

डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19

जयपुर, शनिवार 25 जनवरी, 2025

RNI.No.RAJHIN/2016/70162

मूल्य : 1.5 रुपए

पृष्ठ : 8+2

भजनलाल सरकार महिलाओं, कर्मचारियों सहित किसानों को दे सकती है सौगात

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी 19 फरवरी को पेश करेगी राजस्थान का बजट

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। प्रदेश की उप मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दिया कुमारी 19 फरवरी को विधानसभा में भजनलाल सरकार का तीसरा बजट पेश करेंगी, जिसमें महिलाओं और कर्मचारियों के लिए 6 बड़े ऐलान हो सकते हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी विभाग के अधिकारियों से मीटिंग करने और जनता से मिले सुझावों को गौर करने के बाद इन ऐलानों का निर्णय लिया है। इसमें डीपीसी प्रमोशन के लिए 2 साल की छूट, आरजीएचएस के अन्तर्गत मेडिकल फैसिलिटी का लाभ लेने के लिए महिला/पुरुष कर्मिकों को अपने माता-पिता अथवा सास-ससुर में से किसी एक को चुनने का विकल्प देना आदि शामिल है।

बजट 2025 में ये घोषणाएं भी संभव:

इसके अलावा, सीएम के ऐलानों में हर साल 30 जून को रिटायर होने वाले कर्मिकों को 1 जुलाई से एक काल्पनिक वेतन वृद्धि का



लाभ देना, ग्रेजुटी की अधिकतम सीमा को 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये करना, पेंशनर्स को देय आउटडोर चिकित्सा सेवा की व्यय सीमा को 30 हजार रुपये से बढ़ाकर 50 हजार रुपये करना और 1 अप्रैल 2024 के बाद कर्मिक की सेवा में रहते हुए मृत्यु होने पर 10 वर्षों तक बढ़ी हुई दर से पारिवारिक पेंशन देने जैसी घोषणाएं करना भी शामिल है।

किसानों-पशुपालकों को सीएम ने दिया आश्वासन

राज्य सरकार की तरफ से जारी एक बयान के अनुसार, सीएम भजनलाल ने कहा है कि सरकार बजट में समाज के हर वर्ग की जरूरतों को शामिल करेगी ताकि सबका साथ, सबका विकास के संकल्प को गति मिल सके।

सीएम चाहते हैं कि अंतिम पॉक में खड़े व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिले और वह समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सके। बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सीएम ने किसानों, पशुपालकों और डेयरी संघों के प्रतिनिधियों के साथ भी बजट घोषणाओं को लेकर बातचीत की। शर्मा ने आश्वासन दिया कि प्राप्त सुझावों को जहां भी संभव हो, 2025-26 के राज्य बजट में शामिल किया जाएगा।

31 जनवरी से शुरू होगा बजट सत्र

राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र 31 जनवरी से दो चरणों में शुरू होगा। पहले दिन राज्यपाल का अभिभाषण होगा। इसके बाद 7 जनवरी को अभिभाषण पर मुख्यमंत्री जवाब देंगे। फिर 19 फरवरी को दिया कुमारी बजट पेश करेंगी। उसके बाद के दिनों में बजट पर चर्चा शुरू होगी। यह बजट सत्र मार्च के दूसरे सप्ताह तक चलने की संभावना है। आधिकारिक तौर पर सदन का बिजनेस बीएसपी की बैठक में तय होगा।

पूर्व विधायक बलजीत यादव के ठिकानों पर ईडी की रेड

जयपुर टाइम्स

अलवर(कासं.)। बहरोड़ के पूर्व विधायक बलजीत यादव के ठिकानों पर ईडी ने कार्रवाई की है। समाचार लिखे जाने तक दोसा और अलवर में एक-एक ठिकानों पर कार्रवाई जारी रही। बलजीत यादव पर क्रिकेट की घंटिया सामान की आपूर्ति का आरोप है और इस संबंध में परिवर्तन निदेशालय कार्रवाई कर रहा है।

बता दें कि पीएमएलए कानून के तहत यह कार्रवाई की जा रही है। इसमें उन्होंने कुछ कर्पनियों से साठ-गांठ कर सरकारी स्कूलों में घंटिया सामग्री सप्लाई कर दी थी। इसमें तीन करोड़ 72 लाख रुपये का घोटाला बताया गया था।

पूर्व में इस मामले में एसीबी ने मुकदमा दर्ज किया है, जिस कंपनी के मार्फत खरीद बताई जाती है, उसका नाम बालाजी कंपनी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड है।



2024 की सर्वश्रेष्ठ टीम में 3 भारतीय खिलाड़ी शामिल

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली। आईसीसी ने शुक्रवार को साल 2024 के लिए पुरुषों की सर्वश्रेष्ठ वनडे टीम के एलान के बाद सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम का भी एलान कर दिया है। इस टीम में भारत के तीन खिलाड़ियों को जगह मिली है, लेकिन इनमें न तो रोहित शर्मा हैं और न ही विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन।

टीम की कप्तान ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को सौंपी गई है। सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में इंग्लैंड के सबसे ज्यादा कर खिलाड़ी हैं। वहीं, भारत के तीन और न्यूजीलैंड के दो खिलाड़ियों को जगह मिली है। ऑस्ट्रेलिया का सिर्फ एक खिलाड़ी इस टीम में है, जबकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम का कोई खिलाड़ी इस टीम में नहीं है।

 jaipurtimes.org

 twitter.com/JaipurTimes2

 dainikjaipurtimes

 youtube.com/c/JaipurTimes

 instagram.com/jaipurtimesjt



सीएम ने दी मंजूरी, जल्द जारी होगी खनिज ब्लॉक की ई-नीलामी अधिसूचना

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। प्रदेश के जैसलमेर, कोटा और सर्वाई माधोपुर जिलों में स्थित विभिन्न खनिज ब्लॉक की ई-नीलामी के लिए अधिसूचना जल्द जारी की जाएगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इन लाईमस्टोन खनिज ब्लॉक्स व लेड-जिंक ब्लॉक की ई-नीलामी की अनुमति का अनुमोदन किया है। मुख्यमंत्री के अनुमोदन के उपरान्त अब जैसलमेर जिले में खनिज लाईमस्टोन के ब्लॉक पारेवार (SN-I) 960 हैक्टेयर क्षेत्र, पारेवार (SN-III) 928 हैक्टेयर क्षेत्र, पारेवार (SN-IV) 960 हैक्टेयर क्षेत्र व पारेवार-ए (400 हैक्टेयर क्षेत्र), कोटा जिले में लाईमस्टोन के पूर्वोक्त ब्लॉक निनामा-दुनिया एक्सटेंशन (408.2974 हैक्टेयर क्षेत्र), जैसलमेर जिले में लाईमस्टोन के खाबिया (200.4766 हैक्टेयर क्षेत्र) एवं खाबिया ईस्ट ब्लॉक (205.9798 हैक्टेयर क्षेत्र) और सर्वाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा में लेड-जिंक ब्लॉक (984.5951 हैक्टेयर क्षेत्र) के कम्पोजिट लाइसेंस में ई-नीलामी की अधिसूचना जारी की जाएगी।

2023-24 में मेजर मिनरल ब्लॉक के ऑक्शन में राजस्थान प्रथम

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन में समूचे देश में नया कीर्तिमान स्थापित हुआ है। इसे देखते हुए ऑडिशा के कोणार्क में हाल ही आयोजित नेशनल माइंस मिनिस्टर्स कॉन्फ्रेंस में वर्ष 2023-24 में देश में सर्वाधिक मेजर मिनरल ब्लॉक के ऑक्शन करने पर राजस्थान को प्रथम पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है। पिछले एक साल में खनन क्षेत्र में खनिज खोज से

लेकर माइनर व मेजर मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन, एमनेस्टी योजना, ड्रोन सर्वे और एकबारीय समाधान योजना, नई और प्रगतिशील खनिज नीति, एम-सेण्ड नीति से प्रदेश में खनन उद्यमियों व खननकर्ताओं में निवेश का सकारात्मक माहौल पैदा हुआ है।

2023-24 में राज्य सरकार ने 31 मेजर मिनरल ब्लॉक की नीलामी की:

राज्य सरकार के प्रयासों से गत वित्त वर्ष में खनन क्षेत्र में 7 हजार 460 करोड़ 48 लाख रुपये का रिकॉर्ड राजस्व अर्जित किया गया। वित्त वर्ष 2023-24 में प्रदेश में 31 मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी की गई, जिनमें से वर्तमान राज्य सरकार के पहले तीन माह में ही 15 मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी केन्द्र सरकार के पोर्टल के माध्यम से की गई।

राजस्थान में खनन क्षेत्र से 35 लाख लोगों को मिलता है काम

वर्तमान में प्रदेश में खनन क्षेत्र में लगभग 35 लाख लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हो रहा है। राज्य सरकार की ओर से राजस्थान खनिज नीति-2024 व एम-सेण्ड नीति-2024 लाकर महत्वपूर्ण नीतिगत सुधार किए गए हैं। इसके माध्यम से राज्य जीडीपी में खनन क्षेत्र की हिस्सेदारी को 3.4 प्रतिशत से बढ़ाकर वर्ष 2029-30 तक 5 प्रतिशत और 2046-47 तक 8 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य है। साथ ही, इन नवाचारों से खनन क्षेत्र में रोजगार सृजन को भी गति मिलेगी।

सीएम भजनलाल शर्मा ने किया प्रस्ताव का अनुमोदन

राजस्थान में नई जिला परिषदों और ग्राम पंचायतों का होगा गठन व पुनर्गठन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार नए जिलों में प्रशासनिक ढांचा तैयार करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन व अन्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने नई जिला परिषदों के गठन व प्रभावित जिला परिषदों के पुनर्गठन से संबंधित कार्यवाही के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। प्रस्ताव के अनुसार राजस्थान पंचायतीराज अधिनियम के तहत संबंधित जिलों (8 नए जिले व 12 प्रभावित जिले) के जिला कलक्टर पंचायत समितियों व ग्राम पंचायतों के आधार पर जिला परिषद के गठन व पुनर्गठन का प्रस्ताव तैयार करेंगे। साथ ही, इससे प्रभावित पंचायत समितियों व ग्राम पंचायतों के नवसृजन व पुनर्गठन के प्रस्ताव भी तैयार किए जाएंगे।

जिला कलक्टरों की ओर से इन प्रस्तावों को सार्वजनिक अवलोकन के लिए प्रसारित कर 1 माह में आपत्तियां आमंत्रित की जाएगी, जिनके निस्तारण के बाद प्रस्तावों को राज्य सरकार को प्रेषित कर दिया जाएगा। इन प्रस्तावों के परीक्षण व अनुमोदन पश्चात नवगठित/पुनर्गठित जिला परिषदों, पंचायत समितियों व ग्राम पंचायतों के गठन की अधिसूचना जारी की जाएगी।



उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती सरकार ने अपने कार्यकाल के आखिरी वर्ष में प्रदेश में 17 नवीन जिले व 3 नवीन संभागा बनाने का निर्णय लिया लेकिन नवसृजित जिलों में नई जिला परिषदों का गठन नहीं किया। हाल ही में राज्य सरकार ने जिलों का पुनर्निर्धारण किया है। पुनर्निर्धारण के बाद यथावत रखे गए 8 नए जिलों में राज्य सरकार ने नई जिला परिषदों के गठन का निर्णय लिया है ताकि आमजन को इन जिलों के गठन का वास्तविक लाभ मिल सके।

मध्य प्रदेश के 17 धार्मिक नगरों में शराबबंदी

जयपुर टाइम्स

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक में ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। कैबिनेट ने 17 धार्मिक नगरों में शराबबंदी लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत एक अप्रैल से अब प्रदेश के 17 धार्मिक नगरों में शराब नहीं बिकेगी और दुकानें बंद हो जाएंगी। कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने बताया कि जो दुकानें बंद की जाएंगी, उन दुकानों को कहीं और शिफ्ट नहीं किया जाएगा। ये पूर्णतः बंद होंगी। मप्र के शहरों के धार्मिक महत्व को देखते हुए ये फैसला लिया गया है। शहरों के अलावा नर्मदा नदी के दोनों किनारों के पांच-पांच किमी दायरे तक शराब दुकान नहीं रहेंगी।

उज्जैन में पूर्णतः शराबबंदी

महाकाल ज्योतिर्लिंग होने के कारण उज्जैन को शराब से मुक्त किया जा रहा है। यहां की सभी दुकानें बंद की जाएंगी। यानी कि उज्जैन नगर निगम का दायरा शराब से मुक्त रहेगा। इसके अलावा अलग-अलग नगर पालिकाएं, नगर पंचायतें भी पूरी तरह से शराब मुक्त की गई हैं।

गुरुग्राम में भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में संगठन विस्तार और संगठनात्मक नियुक्तियों पर मंथन

जयपुर टाइम्स

गुरुग्राम(कासं.)। भारतीय जनता पार्टी की कोर ग्रुप की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को गुरुग्राम में हुई। बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा के प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य डा. सुधा यादव, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, कैबिनेट मंत्री अनिल विज, मंत्री कृष्ण बेदी, राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता, सुरेंद्र पूनिया, पूर्व मंत्री राम बिलास शर्मा, पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, पूर्व मंत्री डा. कमल गुप्ता, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल आदि कोर कमेटी के नेताओं ने लगभग दो घंटे तक पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की योजना, संगठन विस्तार और संगठनात्मक नियुक्तियों पर मंथन किया। बैठक में दिल्ली विधानसभा चुनाव जिताने में हरियाणा के नेताओं की ओर से निभाई जा रही भूमिका पर भी बातचीत हुई। बैठक में सदस्यता अभियान, संगठनात्मक चुनाव की समीक्षा भी की गई।

गुरुग्राम पार्टी कार्यालीय गुरुकमल में साइकिलरिस्ट मनोज कुमार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया सम्मानित

मनोज कुमार 14 देशों के लोगों को अंगदान करने के लिए करेंगे प्रेरित

गुरुग्राम। रेवाड़ी का साइकिलरिस्ट महेश कुमार ने रेवाड़ी से हांगकांग तक साइकिल यात्रा शुरू की है। मनोज कुमार 14 देशों के लोगों को अंगदान करने के लिए प्रेरित करेंगे। शुक्रवार को मनोज कुमार गुरुग्राम में भाजपा कार्यालय गुरुकमल पहुंचे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मनोज कुमार को सम्मानित किया और यात्रा की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मानवता की भलाई के लिए मनोज कुमार ने जो यात्रा शुरू की है वह सराहनीय है। साइकिलरिस्ट मनोज कुमार ने बताया कि वह 15 जनवरी को रेवाड़ी से खाना हुए और नेपाल, भूटान, वियतनाम, कंबोडिया, थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, फिलिपींस, ताइवान, चीन होते हुए हांगकांग पहुंचेंगे और लोगों को अंगदान करने के लिए प्रेरित करेंगे।

सबसे पहले प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने बैठक के एजेंडों को रखा। इसके बाद एक के बाद एक विषयों पर गहनता से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यहां सरकार की ओर से जनहित में उठाए गए कदमों की जानकारी भी रखी। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने भी संगठन की चुनावी प्रक्रिया के बारे में बताया। प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने तय किए गए

कार्यक्रम समय पर पूरा करने की उम्मीद जताई। आज की बैठक में संविधान गौरव अभियान के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। यह अभियान पूरे एक वर्ष तक चलेगा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी पर चल रहे कार्यक्रम भी जारी रहेंगे। प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने बैठक की जानकारी देते हुए कहा कि हरियाणा में अभी तक 44 लाख भाजपा के सदस्य बने हैं और 41

दिल्ली विधानसभा चुनाव जिताने में हरियाणा के नेताओं की भूमिका पर चर्चा

हजार सक्रिय सदस्य बना लिए गए हैं। बड़ौली ने कहा कि भाजपा वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर गंभीर है और आज इस विषय पर भी गंभीरता से चर्चा हुई है और प्रदेश में बड़े-बड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 25 जनवरी को हरियाणा भाजपा सरकार के 100 दिन पूरे हो रहे हैं। 25 जनवरी को ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का जन्म दिन है जिसे कार्यकर्ता धूमधाम से मनाएंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा ने संकल्प पत्र में जो वादे किए हैं उन्हें पूरी तरह से लागू किया जाएगा। कुछ वादे पूरे कर लिए हैं और बाकी किए गए वादों को भी सरकार पूरा करेगी। दिल्ली विधानसभा चुनाव पर पूछे गए सवाल पर बोलते हुए बड़ौली ने कहा कि हरियाणा के कार्यकर्ताओं की दिल्ली की 32 विधानसभाओं में ड्यूटी लगी हुई है। नगर निगम चुनाव पर उन्होंने कहा कि हरियाणा में डबल इंजन की सरकार है और निगम में भी ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी।



राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के 24वें दिन की गई समझाईश एवं प्रवर्तन कार्रवाई

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि परिवहन एवं सड़क विभाग द्वारा अलवर परवाह' की थीम पर 31 जनवरी तक आयोजित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के 24वें दिन शुक्रवार को परिवहन विभाग के द्वारा यातायात नियमों की जानकारी व प्रवर्तन संबंधित कार्रवाई की गई।

उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग के उडन दस्ता प्रभारी अमित भारद्वाज द्वारा स्वामी विवेकानन्द स्कूल चिकानी में सड़क सुरक्षा कार्यशाला आयोजित कर लगभग 300 विद्यार्थियों को यातायात, सड़क सुरक्षा, गुड सेमेरिटन इत्यादि नियमों की जानकारी दी गई। परिवहन एवं पुलिस विभाग द्वारा पृथक-पृथक समझाईश कार्यवाही करते हुए 200 से अधिक वाहन चालका एवं आमजन को यातायात नियमों संबंधी जानकारी प्रदान की गई। ट्रैफिक पुलिस एवं परिवहन उडन दस्तों द्वारा विभिन्न श्रेणी के 65 से अधिक वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाई गई तथा प्रवर्तन कार्यवाही के अंतर्गत 16 बिना सीटबेल्ट, 78 बिना हेलमेट वाहन संचालन, 6 वाहन चलाते समय मोबाइल वार्ता, 24 तीन सवारी से अधिक होने, 18 बिना वैध प्रदूषण प्रमाण पत्र संचालित वाहन × 8 निर्धारित गति से अधिक वाहन चलाने, 10 नो पार्किंग, 1 बिना नंबर प्लेट के वाहन संचालन, 6 बिना रिफ्लेक्टर टेप के वाहन संचालन, 3 ट्रैफिक सिग्नल तोड़ने एवं 26 अन्य चालान किए गए।

जिला परिषद की साधारण सभा की बैठक सम्पन्न

जयपुर टाइम्स



अलवर(निसं)। जिला प्रमुख बलवीर सिंह छिन्न की अध्यक्षता में जिला परिषद की साधारण सभा की बैठक आयोजित हुई, जिसमें ग्राम सभाओं से अनुमोदन के उपरान्त पंचायत समितियों के माध्यम से प्राप्त मनरेगा की वार्षिक कार्य योजना 2025-26 का अनुमोदन किया गया।

जिला प्रमुख छिन्न ने कहा कि मनरेगा वार्षिक कार्ययोजना में जल संरक्षण के कार्य को प्राथमिकता दी जा रही है, जिसमें एनिकट, चारागाह प्रबंधन जैसे कार्य किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि जिले की हर पंचायत समिति में मनरेगा से 5-5 खेल मैदान भी विकसित किए जाएंगे। उन्होंने सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों एवं अवगत कराई गई समस्याओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण की जांच कर उसका नियमानुसार निराकरण करावें तथा इसकी सूचना जिला परिषद के संबंधित सदस्य को दी जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी जनप्रतिनिधियों से समन्वय कर विकास कार्य एवं योजनाओं को धरातल पर लागू करें। उन्होंने जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों जिसमें जलव्यय विभाग द्वारा की गई बेरिंगों की कम गहराई के विषय पर जांच हेतु जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को एक समिति गठित करने के निर्देश दिये। बैठक से अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों को नोटीस जारी करने तथा महिला पार्षद के स्थान पर उनके प्रतिनिधि के तौर पर आने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई करने हेतु निर्देश दिये।

बैठक में मुखड़ाव विधायक ललित यादव ने मुण्डावर क्षेत्र सहित जिले में जल जीवन मिशन के तहत गांवों में नल कनेक्शन हेतु खोदी गई सड़क की मरम्मत कराने, शाहजहांपुर क्षेत्र में क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराने, विद्युत विभाग के लाइनमैन द्वारा की जा रही अनियमितताओं की जांच कराने, फिलोड औद्योगिक क्षेत्र के आसपास कैमिकल फैक्ट्रियों की वजह से फसल को हुए नुकसान आदि के बारे में अवगत कराया। उप जिला प्रमुख ललिता मीणा ने थानाजागी क्षेत्र की विद्युत समस्याओं व विद्युत विभाग के अधिकारियों को फोन उठाने के लिए पाबंद करने, कोटकासिम प्रधान विनोद कुमार सांगवान ने ग्राम किरवारी में तीन माह से जले ट्रांसफार्मर के स्थान पर नया ट्रांसफार्मर लगवाने, हरसौली में बालसखी के नियम विरुद्ध चयन के संबंध में अवगत कराया।

कोई भी मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति है, मानसिक रोगी, मानसिक विकार, या मानसिक विकृति है तो ऐसा व्यक्ति समाज के लिए कलंक नहीं है-सोनी



विधि महाविद्यालयों के लिए 'कनेक्टिंग विथ द कॉज' शीर्षक के तहत रील व लघु फिल्में बनाने के लिए राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

अलवर। बालिका दिवस के अवसर पर एवं नालसा द्वारा विधि महाविद्यालयों के लिए 'कनेक्टिंग विथ द कॉज' शीर्षक के तहत रील व लघु फिल्में बनाने के लिए राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिता के सफल आयोजन के क्रम में शुक्रवार को सर्वप्रथम आईपीएसआर लॉ कॉलेज, रामगढ़ एवं तत्पश्चात् सनराईज यूनिवर्सिटी, अलवर में

विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव/अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश मोहनलाल सोनी अलवर एवं भावना अग्रवाल, प्रिंसिपल आईपीएसआर लॉ कॉलेज एवं हरिकांत मिश्रा, रजिस्ट्रार, सनराईज यूनिवर्सिटी तथा प्रवीण गोयल, प्रिंसीपल ऑफ लॉ फैकल्टी अलवर उपस्थित रहे। यह आयोजन राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला

विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष व जिला एवं सेशन न्यायाधीश अलवर हेरन्द सिंह के निदेशानुसार किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नालसा थीम सोंग एक मुट्ठी आसमाँ' के समयावधि 3 मिनट (180 सेकेंड) के अनुसार होनी चाहिए तथा किसी भी प्रकार की अश्लील/अपमानजनक /राष्ट्र विरोधी/निंदाकारक/लोक नीति विरोधी/नैतिकता विरोधी सामग्री को शामिल नहीं किया जाएगा।

विधि छात्रों को नालसा की योजनाओं को प्रदर्शित करते हुए रचनात्मकता और नवाचार के साथ कानूनी जागरूकता बढ़ाने के लिए रील और लघु फिल्मों के जरिए कानूनी जागरूकता को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता हेतु नालसा (मानसिक रूप से बीमार एवं बौद्धिक रूप से असक्षम व्यक्तियों के लिए विधिक सेवाएं) योजना 2024, नालसा (गरीबी उन्मूलन योजनाओं के प्रभावी क्रियाव्ययन के लिए विधिक सेवाएं) योजना 2015, नालसा (बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं) योजना 2024 उक्त 3 स्कीम रखी गई हैं।

सोनी द्वारा बताया गया कि छात्र-छात्राओं द्वारा रील व लघु वीडियो के साथ-साथ पेंटिंग भी बनाई जा सकती है एवं रील की समयावधि 1.30 मिनट (90 सेकेंड) और लघु वीडियो की समयावधि 3 मिनट (180 सेकेंड) रहेगी तथा वीडियो की सामग्री विषय के अनुसार होनी चाहिए तथा किसी भी प्रकार की अश्लील/अपमानजनक /राष्ट्र विरोधी/निंदाकारक/लोक नीति विरोधी/नैतिकता विरोधी सामग्री को शामिल नहीं किया जाएगा।

राजगढ़(निसं)। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ योगेंद्र शर्मा ने गुरुवार को राजगढ़ सीएचसी पहुँच निरीक्षण किया इसके बाद उन्होंने चिकित्सकों की एक बैठक ली बैठक में चिकित्सकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सीएमएचओ योगेंद्र शर्मा ने बताया कि राजगढ़ सीएचसी में चिकित्सक काफी है बैठक का मुख्य उद्देश्य यही है कि इमरजेंसी होती है जिसमे चिकित्सक नहीं मिल पाते है। जिसको लेकर बैठक में निर्देश दिए है कि रोस्टर इस तरीके से बनाया जाए की एक व्यक्ति मौजूद रहे और जो भी मरीज आये जो अटेंड हो जाये। उसके बाद सम्बंधित विशेषज्ञ को बुलाकर दिखवाया जाए। किसी भी तरीके से मरीज को ये नहीं कहा जाए कि क्वाटर पर जाकर दिखाए। उन्होंने बताया की इमरजेंसी में इंजेक्शन ही मिलते है दवाइयां नहीं मिलती है। इसको लेकर प्रभारी को निर्देश दे दिए है की इमरजेंसी में दवाइयां ईशू करे वही इसके अलावा सीएमएचओ ने एक निजी लैब व मेडिकल स्टोर की जांच की गई

सोनोग्राफी का अभाव

सीएमएचओ डॉ योगेंद्र शर्मा ने कहा कि गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी के लिए 2 गायनी चिकित्सक मौजूद है एक माह में 35 सोनोग्राफी हुई जिसको लेकर 10 से 20 सोनोग्राफी प्रतिदिन करने के निर्देश दिए गए वही अन्य मरीज की सोनोग्राफी नहीं हो पाती क्योंकि सोनोलॉजिस्ट उपलब्ध नहीं है

चिकित्सा विभाग में बड़ी संख्या तबादले

फिर भी आखिर कमी

राज्य सरकार ने चिकित्सा विभाग में बड़ी संख्या में तबादले किये चाहे वो चिकित्सक हो या नर्सिंग स्टाफ या फार्मासिस्ट या लैब टेक्नीशियन हो सभी में बड़ी संख्या में तबादले जारी किए वही जब राजगढ़ सीएचसी पर लंबे समय से सोनोग्राफी की मशीन है और सोनोलॉजिस्ट नहीं तो इसकी कमी को क्यों पूरा नहीं किया गया आखिर कहा कमी रही चिकित्सा विभाग की आदर्श सीएचसी है जिले की लेकिन हालात जस के तस है।

गणतंत्र दिवस समारोह -2025 पर सुरक्षा की दृष्टि से इन्दिरा गांधी स्टेडियम का एंटीसर्बाटेज द्वारा किया चैक

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। गणतंत्र दिवस समारोह -2025 पर सुरक्षा की दृष्टि से मुख्य समारोह स्थल सहित इन्दिरा गांधी स्टेडियम का एंटीसर्बाटेज द्वारा गुरुवार को चैक किया गया।जिला पुलिस अधीक्षक अलवर संजीव नैन ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2025 के समारोह के मध्यनजर सुरक्षा की दृष्टि से गुरुवार को अलवर शहर में मुख्य समारोह स्थल इन्दिरा गांधी स्टेडियम का मेटल डिटेक्टर के साथ औचक निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई तथा सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान वृत्ताधिकारी वृत्त उतर अंगद शर्मा, रामेश्वर दयाल पु0न10 थानाधिकारी थाना अरावली विहार, जिला विशेष शाखा की टीम मय एचएचएमडी व उपलब्ध उपकरणों सहित गहनता से जाँच व निरीक्षण किया जाकर एंटीसर्बाटेज चैक किया गया।

आमजन से की अपील:

गणतंत्र दिवस पर सुरक्षा की दृष्टि से एसपी अलवर संजीव नैन ने समस्त जन साधारण से अपील की है कि किसी भी सार्वजनिक स्थान, सड़क, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, पार्क, अथवा सिनेमा हॉल इत्यादि में अगर कोई संधिध व्यक्ति या सन्निध लावारिस वस्तु जैसे रेडियो, पाकेट, ट्राँजिस्टर, टेपेरिकार्ड, ब्रीफकेस, थैला इत्यादि मिले या दिखाई दे तो उस वस्तु को न छुयें और न ही किसी प्रकार की कोई छेड़छाड़ करें। यह वस्तु बम भी हो सकती है, इसकी सूचना तुरन्त पुलिस कन्ट्रोल रूम या नजदीकी पुलिस स्टेशन पर दें। वहीं इस संबंध में फोन नंबर भी जारी किए हैं। पुलिस कन्ट्रोल रूम-100, 2338200, 8764874042, 9829934822, थाना कोतवाली-2701755, 8764874001, थाना अरावली विहार-2336721, 8764874003, थाना शिवाजी पार्क-2730099, 8764874002, थाना एनर्डी-2738251, 8764874004 हैं।

विधि छात्रों को नालसा की योजनाओं को प्रदर्शित करते हुए रचनात्मकता और नवाचार के साथ कानूनी जागरूकता बढ़ाने के लिए रील और लघु फिल्मों के जरिए कानूनी जागरूकता को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता हेतु नालसा (मानसिक रूप से बीमार एवं बौद्धिक रूप से असक्षम व्यक्तियों के लिए विधिक सेवाएं) योजना 2024, नालसा (गरीबी उन्मूलन योजनाओं के प्रभावी क्रियाव्ययन के लिए विधिक सेवाएं) योजना 2015, नालसा (बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं) योजना 2024 उक्त 3 स्कीम रखी गई हैं।

सोनी द्वारा बताया गया कि छात्र-छात्राओं द्वारा रील व लघु वीडियो के साथ-साथ पेंटिंग भी बनाई जा सकती है एवं रील की समयावधि 1.30 मिनट (90 सेकेंड) और लघु वीडियो की समयावधि 3 मिनट (180 सेकेंड) रहेगी तथा वीडियो की सामग्री विषय के अनुसार होनी चाहिए तथा किसी भी प्रकार की अश्लील/अपमानजनक /राष्ट्र विरोधी/निंदाकारक/लोक नीति विरोधी/नैतिकता विरोधी सामग्री को शामिल नहीं किया जाएगा।

दवाईयाँ अनुपलब्ध , सोनोग्राफी का अभाव, मरीजो की परेशानी जस की तस

जयपुर टाइम्स



दवाईयो की अनुपलब्धता

सीएमचओ द्वारा जहाँ इमरजेंसी में चिकित्सक को लेकर और दवाइयों की उपलब्धता पर जोर दिया गया वही ओपीडी समय में डॉ द्वारा लिखी गयी अधिकतर दवाइयां मरीजो को अंदर नहीं मिल पाती मरीज मनोहर और दिनेश ने बताया कि चिकित्सक को दिखाया वही अंदर एलजी की दवाइयां नहीं मिली अब बाहर से लेनी पड़ेगी वही कुछ मरीजो ने कहा कि अस्पताल समय पर कुछ चिकित्सकों की अधिकतर सीटें खाली रहती है

निर्देशन में सिमट कर रह गया निरीक्षण

सीएमचओ डॉ योगेंद्र शर्मा ने राजगढ़ सीएचसी का जो निरीक्षण किया वो कहि ना कहि निर्देशन में सिमट कर रह गया अधिकतर इमरजेंसी की शिकायत आती है और उसके बावजूद इमरजेंसी की बैठक ली लेकिन उसमें में भी मरीज को कंपाउंडर पहले अटेंड करे मरीज चैक करे आवश्यक हो भती करे और फिर विशेषज्ञ को बुलाकर दिखाया जाए उसे डॉ के क्वाटर् पर नहीं जाना पड़े इसको लेकर निर्देश दिए राजगढ़

सीएचसी में इमरजेंसी के हालात किसी से छुपे नहीं है यहाँ तक कि चिकित्सा विभाग भी अच्छी तरह वाकिब है कितनी बार मरीजो ने विभाग को शिकायत दी है

आदर्श सीएचसी पर इमरजेंसी में कंपाउंडर की नहीं एक

चिकित्सक की ड्यूटी लगाई जानी थी

राजगढ़ सीएचसी आदर्श सीएचसी है काफी संख्या में चिकित्सक उपलब्ध है तो सीएमचओ द्वारा इमरजेंसी में रोस्टर के निर्देश दिए उसमे कपाउंडर की जगह एक चिकित्सक की उपलब्धता निर्धारित की जानी चाहिए थी ताकि मरीज को तुरंत उपचार मिल सके और विशेषज्ञ चिकित्सक को बुलाने में लगने वाला समय भी बच सके और किसी भी प्रकार की हानि नहीं हो

निरीक्षण से कितना प्रभाव पड़ेगा

सीएमचओ डॉ योगेंद्र शर्मा के सीएचसी निरीक्षण से कितना प्रभाव पड़ेगा यह तो भविष्य के गर्भ में है लेकिन मरीजो की परेशानी हल हो जाए उससे बेहतर क्या हो सकता है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस बालिकाओं को मिला सम्मान

कन्या भ्रूण हत्या अभिशाप है, इसे रोकने के लिए सभी को सहयोग करना चाहिये – डॉ. मन्जू शर्मा

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। जिला पीसीपीएनडीटी प्रकोष्ठ की ओर से शुक्रवार को एएनएम प्रशिक्षण केन्द्र में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मन्जू शर्मा ने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या अभिशाप है, इसे रोकने के लिए सभी को सहयोग करना चाहिये। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज एएनएम का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही बालिकायें ही कल फील्ड में एएनएम का कार्य करेंगी, इसलिए उनकी जिम्मेदारी बनती है कि कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम के लिए कार्य करें। इस तह के कार्य करने वाले लोगों की सूचना विभाग के टोल फ्री नंबर 104/108 पर दें। कार्यक्रम के दौरान एएनएम प्रशिक्षण केन्द्र के ट्यूटर अनिल सुरेला ने कहा कि आज बालिकायें सभी क्षेत्र में सक्रियता से आगे आकर कार्य कर रही हैं, आज के समय में बेटे और बेटियों में अंतर समाप्त हो रहा है, ऐसे में बेटियों को अच्छी शिक्षा के साथ आगे बढ़ने के अच्छे अवसर प्राप्त हो रहे हैं। इस दौरान जिला पीसीपीएनडीटी समन्वयक गणेश खान ने कहा कि पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत रुग्ण लिंग परीक्षण



करने वालों, इस कार्य में सहयोग करने वाले लोगों को तीन से पांच साल की सजा व एक लाख रुपये का जुर्माना का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से भ्रूण लिंग परीक्षण रोकने के लिए

मुखबिबर योजना चलाई जा रही है, जिसके तहत रुग्ण लिंग परीक्षण की सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गुप्त रखा जाता है एवं तीन लाख रुपये तक का इनाम भी दिया जाता है।

कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं के लिए रंगोली, पोस्टर मैकिंग एवं नारा लेखन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया, जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली बालिकाओं को प्रशस्ती पत्र एवं मूमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेंद्र कुमार शर्मा, जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय की सहायक लेखाधिकारी गरिमा शर्मा, एएनएम प्रशिक्षण केन्द्र का प्रिंसीपल सुरेंद्र सिंह, ट्यूटर, रोशनलाल सैनी, संदीप यादव, कपिल खैरिया सहित एएनएम प्रशिक्षण केन्द्र की बालिकायें उपस्थित रही।

इन्हें किया गया सम्मानित- रंगोली प्रतियोगिता में किरण व भावना को प्रथम, हिमांशी, मधु, बेनिका कवर को द्वितीय, हेमा व मनीषा यादव को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। पोस्टर मैकिंग प्रतियोगिता में जया, वर्षा मीणा व कोमल यादव को प्रथम, कोमल वर्मा को द्वितीय व पूजा कुमारी को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रेरणा सिंह को प्रथम, अंजली यादव को द्वितीय व छोटी बाई को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

बालिकाएं अपने लक्ष्य का निर्धारण कर, आत्मविश्वास के साथ मेहनत करते हुए लक्ष्य को प्राप्त करें- जिला कलक्टर

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर एंपावरिंग अलवर गर्ल्स: डायलॉग विद डिस्ट्रिक्ट कलक्टर थीम पर कार्यक्रम आयोजित

जयपुर टाइम्स

अलवर।(निसं)। जिला कलक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला ने जिले में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाली बालिकाओं से बातचीत करते हुए कहा कि आत्मविश्वास के साथ कड़ी मेहनत करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। लक्ष्य प्राप्ति के दौरान बीच में मिलने वाली असफलताओं से सीख लेकर लगातार आगे बढ़ते रहना चाहिए। जिला कलक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला ने शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर महिला अधिकारिता विभाग द्वारा एंपावरिंग अलवर गर्ल्स डायलॉग विद डिस्ट्रिक्ट कलक्टर' थीम पर आयोजित कार्यक्रम में जिले की 10वीं एवं 12वीं कक्षा की टॉपर बालिकाओं



से संवाद करते हुए यह बात कही।उन्होंने कहा कि आप सभी यहां अपनी स्वयं की प्रतिभा के बल पर उपस्थित हुई हैं। आगामी 15 वर्ष में अनुकूल या प्रतिकूल परिस्थितियों में भी आप सभी अपनी काबिलियत के बल पर सर्वोच्च मुकाम हासिल कर सकती हैं।जिला कलक्टर ने बालिका स्वाति, प्रियंका, अंकिता, भूमिका,

शिक्षक स्वाति शर्मा एवं बच्चियों के परिवारजनों द्वारा कैरियर गाइडेंस एवं आईएएस कैसे बना जाए इत्यादि प्रकार के सवालों का जवाब देते हुए कहा पहले अपने लक्ष्य का निर्धारण करें, तत्पश्चात अपने परिवारजनों, शिक्षकों व आईडियल से प्रेरणा लेकर कठोर मेहनत करते हुए लक्ष्य प्राप्ति करें। उन्होंने बालिकाओं के

परिवारजनों से भी अपील की कि बच्चियों को अपनी शैक्षणिक प्रतिभा को निखारने का पूर्ण मौका दें, पढ़ाई के अलावा अन्य कार्य में ना लगाएं। जिला कलक्टर ने अपने जीवन के अनुभवों एवं आईएएस बनने की यात्रा के बारे में विस्तारपूर्वक अवगत करवाते हुए सभी बालिकाओं की जिज्ञासाओं को सुनकर अपने सुझाव दिए।



महात्मा गांधी मेडिकल यूनिवर्सिटी में
आर.पी. सूनावाला स्मृति व्याख्यान आयोजित
जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी में शुक्रवार को डॉ. रस्तम फिरोज सूनावाला स्मृति व्याख्यान आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. विक्रम पटेल (पूर्व प्रमुख, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल) ने चिकित्सा सेवाओं में सुधार और समग्र चिकित्सा प्रणाली पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रोगी को शारीरिक और मानसिक दोनों बीमारियों का समग्र उपचार मिलना चाहिए। फ़ैमिली फिजिशियन सिस्टम को दोबारा लागू करने और समाज के हर वर्ग तक समान उपचार पहुंचाने की आवश्यकता है। डॉ. पटेल ने बताया कि भारत में स्वास्थ्य सेवाओं पर जीडीपी का केवल 4ब्र खर्च हो रहा है, जबकि अमेरिका में यह 18त है। प्रार्थमिक उपचार और स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की जरूरत पर बल दिया। यूनिवर्सिटी के फाउंडर चेयरमैन डॉ. एम.एल. स्वर्णकार ने यह कार्यक्रम पद्मश्री डॉ. आर.पी. सूनावाला के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में आयोजित किया। उन्होंने जयपुर फर्टिलिटी सेंटर और मेडिकल कॉलेज की स्थापना में डॉ. सूनावाला की प्रेरणा को महत्वपूर्ण बताया। चेयरमैन डॉ. विकास चंद्र स्वर्णकार ने अस्पताल की किरफायती और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं पर प्रकाश डाला। व्हाइस चांसलर डॉ. अचल गुलाटी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों और फैकल्टी को विशेषज्ञों के अनुभव से सीखने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में देश-विदेश से आए प्रसिद्ध चिकित्सकों और सूनावाला परिवार के सदस्यों समेत बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

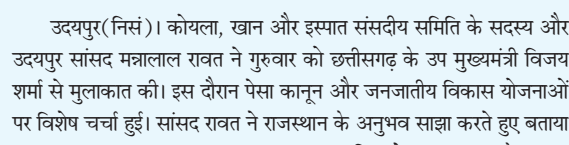
जीनापुर रेलवे अंडर पास में भरा पानी आमजन लोगों के लिए बना जंजाल



जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं) जिला मुख्यालय के जीनापुर रेलवे अंडरपास में पानी भरा है जिसको लेकर आए दिन लोग यहां से निकलते हैं। अंडरपास में लोग फिसल भी जाते हैं। इस दौरान बताया कि 3-4 दिन पूर्व हुई बारिश के बाद यहां पर अंडरपास में पानी भर गया है। लेकिन ठेकेदारों द्वारा नाही अंडरपास में से पानी निकाला गया है। यह अंडरपास पुराने शहर , आलनपुर, हाउसिंग बोर्ड को जोड़ता हुआ जीनापुर से कोटा टॉक हट्टवे पर मिलता है। जिससे लोगों का समय बचता है। इस अंडरपास से सैकड़ों की तावद में लोग यहां से निकलते हैं। स्थानीय निवासी राकेश अग्रवाल, संजय गुप्ता, राजेश शर्मा आदि ने बताया कि रेलवे अधिकारियों व ठेकेदारों को अवगत करवाने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। मांग है कि जीनापुर अंडरपास में भरा पानी को खाली करवाया जावे। जिससे आमजन लोगों को यात्रा करने में परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

सांसद मन्नालाल रावत ने छत्तीसगढ़ उप मुख्यमंत्री से की मुलाकात, पेसा कानून पर चर्चा



उदयपुर(निसं)। कोयला, खान और इस्पात संसदीय समिति के सदस्य और उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा से मुलाकात की। इस दौरान पेसा कानून और जनजातीय विकास योजनाओं पर विशेष चर्चा हुई। सांसद रावत ने राजस्थान के अनुभव साझा करते हुए बताया कि पेसा कानून के तहत राज्यापाल के शक्तियों का उपयोग करके पांचवीं अनुसूची वाले राज्यों में विकास योजनाओं को प्रभावी किया जा सकता है, जिसका लाभ राजस्थान समेत अन्य जनजातीय क्षेत्रों को मिलेगा।इससे पहले, सांसद रावत ने संसदीय समिति के सदस्यों के साथ छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्थित विश्व की दूसरी सबसे बड़ी कोल माइन, गेवरा खदान का दौरा किया। खदान के दौरे के दौरान समिति के सदस्यों को खनन कार्यों, सुरक्षा उपायों और पर्यावरणीय संरक्षण के प्रयासों के बारे में जानकारी दी गई। इसके बाद समिति ने कोल इंडिया और एसईसीएल के अधिकारियों के साथ कोयला खदानों में सुरक्षा मुद्दों पर अनौपचारिक चर्चा की। सांसद रावत ने फिलाई स्टील प्लांट का भी दौरा किया और वहां ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड परियोजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि फिलाई स्टील प्लांट ने देश के इंड्रस्ट्रक्चर और रेलवे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संरक्षण के प्रयासों के बारे में जानकारी दी गई। इसके बाद समिति ने कोल इंडिया और एसईसीएल के अधिकारियों के साथ कोयला खदानों में सुरक्षा मुद्दों पर अनौपचारिक चर्चा की। सांसद रावत ने फिलाई स्टील प्लांट का भी दौरा किया और वहां ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड परियोजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि फिलाई स्टील प्लांट ने देश के इंड्रस्ट्रक्चर और रेलवे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

शिक्षा के साथ संस्कार जरूरी-डा भरत सहारण

रावतसर(निसं)। शिक्षा के साथ संस्कार बहुत जरूरी है। आज के समय में शिक्षा है तो सबकुछ है। शिक्षा से ही व्यक्ति, परिवार,समाज और देश का विकास संभव है। शिक्षा के बिना व्यक्ति का जीवन अधूरा है। ऐसे में सभी परिजन अपनी संतानों को ज्यादा से ज्यादा शिक्षित करें। यह बात राउमावि चवोगी मेघवालों की ढाणी में शुक्रवार को वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में फिफ्टी विलेजर्स संस्थान निदेशक डॉ भरत सहारण ने कही। इस अवसर पर शिक्षक नेता हेमी चौधरी, अजीजु प्रेमजी फाउंडेशन से आशिमा गुप्ता,व्याख्याता अचली चौधरी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सरपंच दीक्काम गोदारा, युवा उधमी पेमाराम पोटेदिया, महंत हरीनाथ महाराज, लच्छराम मेगवाल, चेतनराम मेगवाल, सुनीता कश्यप, सुरजीत सिंह पंवार, धूमराम चौहान, व्याख्याता नारायणराम, लैब टैक्नीशियन श्रवण गोदारा सहित ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन जयश्री चौधरी और अध्यापक धनराम चौहान ने किया।इस अवसर पर अध्यापक गंगाधाम सेनवर और चन्द्रसिंह पोटेदिया का विदाई समारोह भी आयोजित किया गया।



पी एम श्री राउमावि हिराणी में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी(निसं)। कुचामन ब्लॉक के पी एम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हिराणी में शुक्रवार को वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ विजय सिंह चौधरी राजस्व मंत्री द्वारा नव निर्मित कक्षा कक्षों का लोकार्पण कर कार्यक्रम हर्षोल्लस से मनाया गया। राजस्थान में प्रारम्भिक एवं माध्यमिक शिक्षा के विद्यालयों में इस सत्र का वार्षिकोत्सव कार्यक्रम दस जनवरी से 25 जनवरी तक राज्य सरकार के निर्देशानुसार आयोजित किया जा रहा है।

पी एम श्री विद्यालय के विद्यार्थियों को सत्र पर्यंत विद्यालय की शैक्षिक एवं सह शैक्षिक गतिविधियों में उनके श्रेष्ठ प्रदर्शन एवं उपलब्धियां जैसे उच्चतम अंक, श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम, विशिष्ट उपलब्धि, प्रतिभा विशेष, प्रतिभा प्रदर्शन इत्यादि को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

प्रधानाचार्य राजेंद्र मुवाल ने विद्यालय की वार्षिक कार्य योजना और उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। पी एम श्री विद्यालय हिराणी में राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी वार्षिकोत्सव समारोह के मुख्य अतिथि रहे। विशिष्ट अतिथि सीबीईओ जगदीश राय तथा अध्यक्षता मदनलाल सोकल सरपंच ग्राम पंचायत हिराणी ने की। राज्य मंत्री चौधरी ने नव निर्मित कक्षा कक्षों का लोकार्पण करते हुए कहा कि राज्य सरकार की सभी तरह की योजनाएं

रूतमणि रियाड़ के निर्देशन में नगर निगम ग्रेटर की सतर्कता शाखा ने की कार्रवाई, 8 केन्टर सामान जब््त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। नगर निगम ग्रेटर की सतर्कता शाखा ने आयुक्त श्रीमती रूतमणि रियाड़ के निर्देशानुसार शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 8 केन्टर सामान जब््त किया। यह कार्रवाई उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में की गई।सतर्कता टीम ने भी-2 बाईपास, द्वारकादास पार्क मध्यम मार्ग से विजय पथ मानसरोवर चौहाा, थड़ी मार्केट अग्रवाल फार्म मानसरोवर और विवेकानंद पार्क गोपालपुरा क्षेत्र में अस्थायी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। इस दौरान 8 केन्टर सामान जब््त कर गोदाम में भिजवाया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा ने बताया कि अतिक्रमणकारियों को मौके पर

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राज्यपाल की शुभकामनाएं

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने देश के सभी नागरिकों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस, 25 जनवरी पर बधाई और शुभकामनाएं दी है।राज्यपाल बागडे ने कहा है कि लोकतंत्र में मतदाता ही राष्ट्र का भाग्य विधाता होता है। उन्होंने मतदाता दिवस को मतदान जागरूकता पर्व बताते हुए कहा कि इस दिन हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि मतदान से कोई पात्र वंचित नहीं रहे। लोकतंत्र को सुदृढ़ करने के लिए सत्र प्रतिष्ठित मतदान जरूरी है। मतदान दिवस इसी सोच के लिए हमें जागरूक करता है।

देवनानी की पहल पर राजस्थान विधानसभा में राष्ट्रीय पर्यावरण विषय पर दो दिवसीय युवा संसद का आयोजन



जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर शुक्रवार को विधानसभा में राष्ट्रीय पर्यावरण विषय पर दो दिवसीय युवा संसद का शुभारंभ हुआ। देवनानी ने विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों से आए 200 से अधिक युवाओं के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। विधानसभा अध्यक्ष ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को मिलकर कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि स्वस्थ, सुरक्षित और हरित भविष्य के लिए देश के युवाओं को दृढ़ संकल्प के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध होकर कार्य करना होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि पर्यावरण सुरक्षा पर चर्चा के साथ क्रियाव्ययन के लिए ब्लू प्रिंट तैयार किया जाए। देवनानी ने जल, प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति प्रेम और उनके संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए गए स्वच्छ भारत, जल सहेली और टिकाऊ जल प्रबंधन जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए युवाओं से इन प्रयासों से जुड़ने की अपील की। इस अवसर पर



जन जन तक पहुंचने से जनता को लाभ मिलेगा। विद्यालय के होनहार विद्यार्थियों को राज्य सरकार द्वारा दिए गए टेबलेट भी वितरित किए। वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह में ग्राम पंचायत स्तर की प्रतिभाओ का सम्मान, समुदाय मैत्री, प्रतिभा प्रदर्शन

गीतांजली हॉस्पिटल में जटिल ऑपरेशन से माँ और नवजात को नया जीवन

जयपुर टाइम्स

उदयपुर(निसं)। भीलवाड़ा निवासी एक दंपति ने गंभीर स्वास्थ्य स्थिति के चलते गीतांजली हॉस्पिटल में संपर्क किया। गर्भवती महिला का रक्तचाप 220/160 तक पहुँच गया था, जिसके कारण स्थानीय डॉक्टरों ने तुरंत गीतांजली हॉस्पिटल में उपचार की सलाह दी। यहाँ पहुँचने पर विशेषज्ञ डॉक्टरों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल ऑपरेशन करने का निर्णय लिया।

रोगी का इलाज करने वाली टीम में पीडियाट्रिक सर्जन डॉ अपूर्व सिंह, नोनटोलॉजिस्ट डॉ सुशील गुप्ता, प्रसूति व स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ भामिनी जाखेटिया, एनेस्थीसिया टीम, ओ.टी. व एनआईसीयू स्टाफ के अनवरत प्रयासों से जच्चा व बच्चा का इलाज किया गया।

डॉ. भामिनी जाखेटिया ने बताया कि महिला के गर्भ को 7 माह पूरे हो चुके थे, लेकिन अत्यधिक बढ़े हुए रक्तचाप के कारण कई गंभीर जटिलताएँ उत्पन्न हो गई थीं। रोगी असहनीय सिरदर्द से पीड़ित थी, जो बढ़े हुए रक्तचाप का परिणाम था। महिला की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आपातकालीन ऑपरेशन

किया गया। यह ऑपरेशन माँ और नवजात, दोनों के लिए अत्यधिक जोखिमपूर्ण था, लेकिन इसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

जन्म के बाद नवजात का वजन मात्र 900 ग्राम था और उसे तुरंत

बाद नवजात को पेट संबंधी समस्याएँ उत्पन्न हुईं। जाँच में यह पाया गया कि बच्चे को %मेकोनियम आइलस% नामक

बीमारी है, जिसमें मल सख्त हो जाता है और उसका निकासन



वेंटिलेटर पर रखा गया। नवजात विशेषज्ञ डॉ. सुशील गुप्ता और उनकी टीम ने बच्चे का उपचार प्रारंभ किया। जन्म के एक सप्ताह

संभव नहीं होता। पीडियाट्रिक सर्जन डॉ. अपूर्व ने बच्चे की आंत में सर्जरी कर अवरोध को दूर किया और पेट में स्तोमा बनाकर

एनआईसीयू में उसकी देखभाल की। चूँकि बच्चा बहुत कम वजन का था, उसे एनआईसीयू में स्टोमा फीड्स के जरिए पोषण दिया गया। जब बच्चे का वजन 2.5 किलो हो गया, तब डॉ. अपूर्व की टीम ने स्टोमा बंद करने के लिए दूसरी सफल सर्जरी की गयी।

डॉ. सुशील गुप्ता के नेतृत्व में बच्चे का पोस्ट ऑपरेटिव उपचार किया गया। नवजात को संपूर्ण पोषण प्रदान किया गया, और उसकी आँखों, कानों, मस्तिष्क तथा अन्य अंगों का परीक्षण किया गया। वर्तमान में बच्चा स्वस्थ है, माँ का दूध ले रहा है और उसका वजन भी बढ़ रहा है।दस वर्षों के लंबे इंतजार के बाद माता-पिता बनने वाले दंपति ने गीतांजली हॉस्पिटल के डॉक्टरों और स्टाफ का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है।

गीतांजली हॉस्पिटल का बाल एवं शिशु रोग विभाग, नवजात से लेकर बड़े बच्चों तक की जटिल से जटिल सर्जरी के लिए सक्षम है। यहाँ एनआईसीयू और पीआईसीयू की अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जो रोगियों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करती हैं।

कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर समस्तीपुर में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी



जयपुर टाइम्स

समस्तीपुर (कासं)। जननायक कर्पूरी ठाकुर की 101वीं जयंती के अवसर पर बिहार के समस्तीपुर जिले के कर्पूरी ग्राम में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, बिहार के राज्यापाल आरिफ मोहम्मद खान और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कार्यक्रम के

दौरान एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत अपनी माताजी की स्मृति में गोखुल कर्पूरी फुलेश्वरी डिग्री कॉलेज परिसर में पौधारोपण किया।

उन्होंने कर्पूरी ठाकुर को ादिलों का नेता बताते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन शोषितों और वंचितों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने इस अवसर पर राज्यापाल आरिफ मोहम्मद खान और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान आदर्शों को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि उनका जीवन सादगी, ईमानदारी और सेवा का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि यह

हम सभी का कर्तव्य है कि हम उनके सपनों का भारत बनाने में योगदान दें। इस अवसर पर राज्यसभा उपसभापति हरिवंश सिंह, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और कर्पूरी ठाकुर के पुत्र रामनाथ ठाकुर भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कर्पूरी ठाकुर की उपलब्धियों और उनके योगदान पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई, जिसे उपस्थित जनसमुदाय ने सराहा। कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर आयोजित इस कार्यक्रम ने समाज के सभी वर्गों को उनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया।

संपादकीय✍

अमेरिका में अवैध रूप से रहे भारतीयों की वापसी की तैयारी

भारतीय विदेश मंत्री ने अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों की वापसी के लिए तैयार रहने की बात कहकर वही किया, जो उन्हें करना चाहिए था। यदि अमेरिका अपने यहां अवैध रूप से आए लोगों को वापस करने का फैसला करता है तो भारत को अपने नागरिकों को लेने के लिए तैयार रहना चाहिए, लेकिन केवल इतने से ही बात नहीं बनने वाली।

जहां अमेरिका की यह जिम्मेदारी है कि भारतीय नागरिक उसके यहां न तो अवैध रूप से प्रवेश करने पाएं और न ही उत्पीड़न की झूठी शिकायतों के आधार पर शरण पाने पाएं, वहीं भारत को यह देखना होगा कि जो लोग अवैध तरीके से अमेरिका जाते हैं, उन पर लगाम लगे। इसलिए लगे, क्योंकि चोरी-छिपे वहां जाने वाले देश की बदनामी कराते हैं और उन भारतीयों की छवि भी खराब करते हैं, जो वैध तरीके से वहां गए हैं।

भारत सरकार इससे अपरिचित नहीं हो सकती कि अमेरिका जाने की ललक में अवैध तरीके अपनाने वाले लोग ठगी का शिकार होते हैं-कुछ भारत में और कुछ अमेरिका के पड़ोसी देशों में। कई मामले ऐसे आए हैं, जिनमें अमेरिका या यूरोप जाने की कोशिश में लोगों ने अपनी सारी जमा-पूंजी गंवा दी और फिर भी वहां नहीं पहुंच पाए। कुछ तो अपनी जान से ही हाथ धो बैठे, क्योंकि वे डंकी रूट कहे जाने वाले बेहद खतरनाक रास्तों से अमेरिका जाने की कोशिश कर रहे थे।

भारत सरकार को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि पंजाब, हरियाणा, गुजरात आदि में लोगों को अवैध तरीके से विदेश भेजने वाले गिरोह सक्रिय हैं। अमेरिका, आस्ट्रेलिया, कनाडा, यूरोप का वीजा और वहां नौकरी दिलाने का फर्जी दावा करने वालों ने बाकायदा अपनी दुकानें खोल रखी हैं। ये ठगी की दुकानें हैं, लेकिन राज्य सरकारों उनके खिलाफ वांछित कार्रवाई नहीं करती।

भारत सरकार को ऐसे राज्यों को आवश्यक निर्देश देने चाहिए। इसके साथ ही ऐसी व्यवस्था भी करनी चाहिए, जिससे लोग वैध और सुरक्षित तरीके से विदेश जा सकें। यदि सरकारी एजेंसियां इसमें सहायक बन जाएं तो विदेश में नौकरी का लालच देकर ठगी करने वाले स्वतः हतोत्साहित होंगे।

भारत को इसके प्रति भी सतर्क रहना होगा कि ट्रंप प्रशासन की नई नागरिकता नीति से कहीं वे भारतीय दंपती संकट का सामना न करने पाएं, जो अमेरिका गए तो वैध तरीके से हैं, लेकिन उनके पास वहां की नागरिकता या ग्रीन कार्ड नहीं है। इनमें अधिकांश एच-1बी वीजा धारक हैं।

ट्रंप ने घोषणा की है कि 20 फरवरी के बाद ऐसे दंपतियों की संतानों को नागरिकता देने की सुविधा खत्म कर दी जाएगी। भारत को अमेरिका को यह बताना होगा कि इस नीति से वही घाटे में रहेगा। इस पर हैरानी नहीं कि खुद अमेरिका में ट्रंप की नई नागरिकता नीति का विरोध हो रहा है।

जनवरी में दीपावली मनाता जनजातीय ग्राम मेंढापानी

भारतीय पशुधन प्रेम अद्भुत कथा है यह! सौ प्रतिशत जनजातीय एवं अनुसूचित जाति की जनसंख्या वाले मेंढापानी ग्राम (बैतूल) की यह कथा अविश्वसनीय भी है! अविश्वनीय इसलिए, कि अपने देश के जनजातीय बंधु, अपने होली-दीपावली के पर्वों से किसी प्रकार का समझौता नहीं करते। वे अपने इन उत्सवों को डूबकर, रसमय होकर मनाते हैं और इन त्योहारों को जीते हैं। ये जनजातीय त्योहारों को स्वयं में समाहित कर लेते हैं।

वैसे तो देश भर में जनजातीय समाज का दीपावली उत्सव बड़ा ही विशिष्ट व उल्लेखनीय होता है किंतु गोंडवाना के जनजातीय समाज की दीपावली का तो कहना ही क्या!! इनके जीवन में दीपावली व होली का त्यौहार केवल आता नहीं है, आकर ठहर जाता है! इनके चौक, चौपालों, खारी, ढानी, बाजारों, टोलों, टपरो, मठ, मुठिया, मेलों, ग्रामों में और, उससे भी बढ़कर इनके हृदय में दीपावली ठहर जाती है! हाँ, ये वनवासी बंधु, त्योहारों को हृदय में धारते हैं और उसे उतार लेते हैं अपने अन्तर्गत तक। होली, दीवाली को मनस्थ और तनस्थ कर लेने का ही प्रभाव होता है कि बैतूल जिले का जनजातीय समाज एक मास तक इन त्योहारों को सतत मनाता ही रहता है। इस मध्य वह कोई काम नहीं करना चाहता। इस मध्य उसे आप कितनी भी अधिक मजदूरी का, वेतन का लालच दे दो; वह नहीं आयेगा काम पर! इनकी होली, दीवाली केवल अपने ही परिवार में, मोहल्ले में या ग्राम में नहीं मनती है। ये जनजातीय बंधु, उस क्षेत्र में स्थित प्रत्येक ग्राम में एक दूसरे के गाँव में जाकर घर में रात्रि विश्राम करके ही दीवाली मनाते हैं। सभी एक दूसरे के गाँव में जाते हैं और भव्य आतिथ्य का आनंद लेते हैं।

तो आते हैं, बैतूल जिले के एक विशुद्ध जनजातीय व अनुसूचित जाति वाले गाँव, मेंढापानी की कहानी पर। मेंढापानी में लगभग तीन सौ पचास घर हैं, सभी घर या तो जनजातीय बंधुओं के हैं या अनुसूचित जाति बंधुओं के। दोनों की जीवन शैली लगभग वनवासी ही है।

लगभग तीन वर्ष पूर्व कोविड महामारी के दिनों के आसपास ही भारत के कुछ प्रदेशों में पशुधन को लंपी वायरस नामक एक बीमारी ने घेर लिया था। बैतूल में भी एक सौ चौबीस ग्रामों में यह बीमारी फैल गई थी। हजारों गाय, बैल, भैंसों को लंपी वायरस ने अपना शिकार बना लिया था। इन्हीं दिनों में मेंढापानी में भी सैकड़ों



गाय, बैल, भैंस आदि पशु लंपी से ग्रसित होकर गोलोकवासी हो गए थे। वह दीपावली के एन पूर्व का सितंबर का माह था; वर्ष था, 2022! मेंढापानी के निवासी अपने प्रिय पशुधन के असमय व बड़ी संख्या में निधन से इतने दुखी हुए कि इन्होंने अपने सबसे बड़े, सबसे प्रिय, सबसे सुंदर त्यौहार दीपावली को ही त्याग दिया। जब आसपास के ग्रामवासियों को यह बात पता चली तो पंचायत बैठी और पंचायत ने, शोकग्रस्त मेंढापानी वासियों से दीपावली मनाने का आग्रह किया। तब तक जनवरी, 2023 आ चुका था। इस प्रकार, अक्टूबर-नवंबर की दीपावली मेंढापानी में पहली बार जनवरी में मनाई गई। लंपी वायरस के विदा होने पर ही जनवरी, 2023 में मेंढापानी निवासियों ने दीपावली मनाई थी। अपने दिवंगत पशुधन के प्रति मेंढापानी के ग्रामीण बंधुओं का शोक यहाँ भी रुका नहीं, उन्होंने तीन वर्षों तक उनका प्रियतम दीपावली का पर्व जनवरी में मनाने का निर्णय लिया। अपने दिवंगत पशुधन के प्रति शोक प्रकट करने का उनका यह अपना तरीका था।

यह अंतिम वर्ष था जब मेंढापानी निवासियों ने दीपावली का पर्व कार्तिक मास में न मनाकर, जनवरी में मनाया था। इस वर्ष मेंढापानी के

ग्रामवासियों के आग्रह पर उनकी इस जनवरी माह वाली दीपावली में सम्मिलित होने का अवसर मुझे भी मिला। आड़ा-टेढ़ा, जैसा भी सही पर इन वनवासी बंधुओं के साथ नृत्य करने में मुझे भी बड़ा आनंद आया। मेंढापानी के निवासियों संग चाय पर चर्चा भी हुई और उनके संग सहभोज का भागी भी बना! बड़ा ही अद्भुत, उमंग, उल्लास व उत्साह से भरा वातावरण था समूचे गाँव का। भले ही छोटे-छोटे घर-आँगन होंगे मेंढापानी के निवासियों के, किंतु उनके दिल के जैसे ही, घर में भी लोग समाते ही चले जा रहे थे। एक-एक घर में तीस-तीस चालीस-चालीस मेहमान थे। प्रत्येक घर के सामने आठ-दस बाइक्स तो अनिवार्य रूप से खड़ी ही थी। किसी भी मोटरसाइकिल पर तीन से कम लोग तो आए ही नहीं थे। फटफटी पर चार लोगों को बैठा लेना तो इन ग्रामीणों के लिए बड़ी ही सामान्य सी बात है। पूरा गांव मेले के वातावरण में, गीत, संगीत, नृत्य, चाय-पानी, भोजन के क्रम में डूबा हुआ सा और सराबोर सा झुम रहा था। बस एक कमी खल रही थी कि यहाँ वहाँ ऊँचे स्वर में बजने वाले संगीत में उनके अपने जनजातीय गीत और नृत्य गायब थे। फिल्मी गीतों और डीजे के शोर ने पारंपरिक गीतों व नृत्य के स्वरों को दबा दिया था। यह

दुखद लगा। शेष सभी कुछ बड़ा ही आनंदित कर देने वाला था! युवक युवतियां तो अपनी झूम में थे ही, बड़े और वृद्ध भी अपने पूरे रंग में दिख रहे थे। सभी ने एक से एक रंग बिरंगे, चटकीले रंगों वाले कपड़े पहने हुए थे। युवक-युवतियों के माथे पर डिस्को इलेक्ट्रॉनिक बल्बों से जलने वाले बकल झिलमिला रहे थे। इन रंगीन लाइटिंग में उनके चेहरे के साज सिंगार को और अधिक चमक और उत्साह मिल रहा था। युवक-युवतियाँ संग-संग हाथों में हाथ थामे घूम रहे थे, नाच रहे थे। निश्चित ही मेंढापानी में इस मेले के दिन पच्चीस-पचास रिश्ते तो तय हुए ही होंगे।

मुझे अपने मध्य पाकर ग्रामवासी बड़े ही प्रसन्न हुए, उन्होंने बड़े ही हृदय से स्वागत किया। मैंने भी अवसर छोड़ा नहीं और बहुतेरी बातें की। उनसे आग्रह किया कि अगले वर्ष दीपावली कार्तिक मास में ही मनाएँ और फिल्मी गानों और डीजे के स्थान पर पारंपरिक गीत व नृत्य को ही थामें रहें। गौवंश के प्रतु, पशुधन के प्रति, इन भोले भाले ग्रामीणों का प्रेम और श्रद्धा यूँ ही बनी रहे, यही कामना..

- प्रवीण गुगनानी

समसामयिक

जेल से चुनाव, ताहिर हुसैन पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला



दिल्ली दंगे के आरोपित ताहिर हुसैन की ओर से चुनाव लड़ने के लिए जमानत की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने यह सही कहा कि ऐसे लोगों के चुनाव लड़ने पर रोक लगनी चाहिए। दुर्भाग्य से ऐसा तब तक संभव नहीं, जब तक मौजूदा कानून में बदलाव नहीं होता। इस बदलाव के लिए सरकार को पहल करनी होगी और उसे राजनीतिक दलों का समर्थन करना होगा।

कहना कठिन है कि सभी राजनीतिक दल उस कानून को बदलने के लिए तैयार होते हैं या नहीं, जो जेल में बंद लोगों को चुनाव लड़ने की अनुमति देता है। यह अनुमति इस मान्यता के आधार पर मिली हुई है कि दोष सिद्ध न होने तक हर व्यक्ति निर्दोष है। इसके चलते ही कई लोग जेल में बंद होने के बाद भी चुनाव लड़ते हैं और चुनाव प्रचार के लिए जमानत की मांग करते हैं।

इनमें वे भी होते हैं, जो गंभीर अपराध के आरोप में जेल में बंद होते हैं। विडंबना

यह है कि ऐसे कई लोग चुनाव जीत भी जाते हैं, क्योंकि वे जाति, पंथ, क्षेत्र के नाम पर या फिर अपनी बेगुनाही का रोना रोकर लोगों की भावनाओं को भुनाने में समर्थ हो जाते हैं। होना तो यह चाहिए कि मतदाता अपने प्रतिनिधियों का चयन परिपक्वता से करें, लेकिन कई बार ऐसा नहीं होता।

इसका प्रमाण तब मिला था, जब पिछले लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत जेल में बंद खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह ने पंजाब की खड्ड साहिब सीट से जीत हासिल कर ली थी। इसी तरह फर्रिडंग में तिहाड़ जेल में बंद इंजीनियर रशीद ने जम्मू-कश्मीर की बारामुला सीट से चुनाव जीत लिया था। इसके बाद विधानसभा चुनाव में उसे इस आधार पर चुनाव प्रचार के लिए जमानत मिल गई थी कि वह अपने दल का प्रमुख है।

इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं कि जेल में बंद लोगों को मतदान करने की अनुमति तो नहीं होती, लेकिन वे चुनाव

लड़ने के लिए स्वतंत्र होते हैं। चुनाव लड़ने के लिए जमानत मांग रहे ताहिर हुसैन पर हिंसा भड़काने के बेहद गंभीर आरोप हैं, लेकिन इससे सांसद असदुद्दीन ओवैसी पर कोई फर्क नहीं पड़ा।

उन्होंने सब कुछ जानते हुए भी उसे अपने दल से दिल्ली विधानसभा का उम्मीदवार बना दिया। यह समझा जाना चाहिए कि आतंक, अलगाव, दंगे और हत्या सरीखे गंभीर अपराध में लिप्त होने के आरोपितों को जेल में बंद होने के बाद भी चुनाव लड़ने की छूट मिलने से भारतीय लोकतंत्र का मान नहीं बढ़ता।

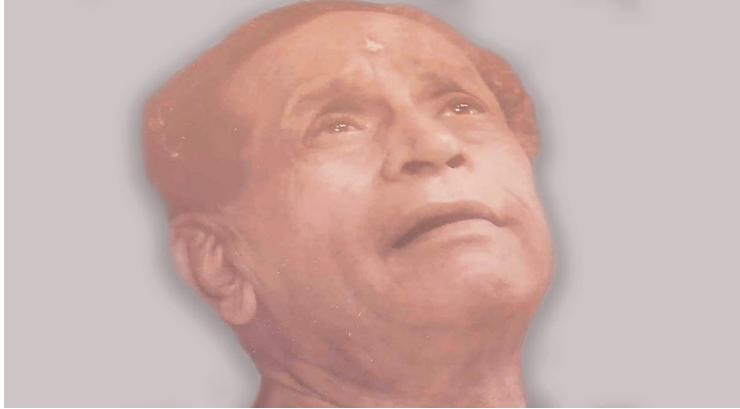
इससे तो राजनीति के अपराधीकरण को ही बल मिलता है। उचित यह होगा कि संगीन आरोपों में जेल में बंद लोगों को चुनाव लड़ने से रोका जाए। निःसंदेह बंदियों के भी कुछ अधिकार होते हैं, लेकिन उनके लिए चुनाव लड़ने को मौलिक अधिकार बना देना बिल्कुल भी ठीक नहीं।

कहना कठिन है कि सभी राजनीतिक दल उस कानून को बदलने के लिए तैयार होते हैं या नहीं, जो जेल में बंद लोगों को चुनाव लड़ने की अनुमति देता है। यह अनुमति इस मान्यता के आधार पर मिली हुई है कि दोष सिद्ध न होने तक हर व्यक्ति निर्दोष है। इसके चलते ही कई लोग जेल में बंद होने के बाद भी चुनाव लड़ते हैं और चुनाव प्रचार के लिए जमानत की मांग करते हैं।

इनमें वे भी होते हैं, जो गंभीर अपराध के आरोप में जेल में बंद होते हैं। विडंबना यह है कि ऐसे कई लोग चुनाव जीत भी जाते हैं, क्योंकि वे जाति, पंथ, क्षेत्र के नाम पर या फिर अपनी बेगुनाही का रोना रोकर लोगों की भावनाओं को भुनाने में समर्थ हो जाते हैं। होना तो यह चाहिए कि मतदाता अपने प्रतिनिधियों का चयन परिपक्वता से करें, लेकिन कई बार ऐसा नहीं होता।

शख्सियत

सुरों की साधना करते थे भीमसेन जोशी, महज 11 साल की उम्र में छोड़ दिया था घर



भारतीय शास्त्रीय संगीत की दुनिया में बड़े नामों में शामिल पंडित भीमसेन जोशी का 24 जनवरी को निधन हो गया था। सुरों की साधना करने वाले पंडित जोशी कला के प्रति खुद को समर्पित कर दिया था। उनको देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से अलंकृत किया गया था। कला जगत के अलावा पूरी इंसानियत के लिए पंडित जोशी की जिंदगी प्रेरक है। उनके परिवार में कोई भी संगीत से नहीं जुड़ा था। तो आइए जानते हैं उनकी डेथ एनिवर्सरी के मौके पर पंडित भीमसेन जोशी के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

कर्नाटक के गड्ग में 04 फरवरी 1922 को भीमसेन जोशी का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम गुरुराज जोशी अग्नेजी, कन्नड़ और संस्कृत के विद्वान थे। उनके परिवार में कोई भी संगीत से जुड़ा नहीं था। उन्होंने महज 19 साल की उम्र में पहली बार संगीत की प्रस्तुति दी थी। शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में पंडित जोशी का योगदान बेहद अहम था।

संगीत की शिक्षा

बता दें कि पंडित जोशी बचपन से ही गायन का शौक रखते थे। वह स्कूल से लौटने के बाद एक ट्रांजिस्टर की दुकान पर बैठ जाते थे, वहीं पर ट्रांजिस्टर पर बजते रिकॉर्ड को दी थी कि उनका बेटा बहुत अच्छा गाना गाता है। बताया जाता है कि 11 साल की उम्र में पंडित जोशी गुरु की खोज में घर छोड़कर चले गए थे। इस दौरान उन्होंने सवाई गंधर्व से संगीत की शिक्षा ली थी। जब वह सवाई गंधर्व के पास संगीत की शिक्षा लेने गए, तो सवाई गंधर्व ने उनसे कहा कि वह संगीत सिखाएंगे, लेकिन इससे पहले तुमने जो भी सीखा है, वह तुम्हें भूलना होगा। इस बात की स्वीकृति मिलने के बाद ही सवाई गंधर्व ने उनको संगीत की शिक्षा दी।

संगीत की पहली प्रस्तुति

महज 19 साल की उम्र में पंडित भीमसेन जोशी ने पहली संगीत की प्रस्तुति दी थी। फिर वह बतौर रेडियो कलाकार मुंबई में काम करने लगे थे। फिर 20 साल की उम्र में उनका पहला एल्बम रिलीज हुआ था। पंडित जोशी ने कई फिल्मों के लिए भी गाने गाए। उनको पूरिया, दरबारी, भोगी, मालकौस, ललित, तोड़ी, भीमपलासी, यमन और शुद्ध कल्याण आदि राम पसंद थे। पंडित जोशी की अद्भुत प्रतिभा की वजह से उनको पद्म भूषण और पद्म विभूषण जैसे पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था। वहीं साल 2008 में पंडित जोशी को भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा गया था।

मृत्यु

वहीं 24 जनवरी 2011 को पंडित भीमसेन जोशी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था।



आराध्या की परवरिश को लेकर बोले अभिषेक बच्चन

बेटी की परवरिश और अपने निजी जीवन को लेकर अभिषेक बच्चन ने बात की है। उन्होंने कहा कि माता पिता हमेशा सबसे अच्छे शिक्षक हों जरूरी नहीं है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अभिषेक बच्चन ने पैरेंटिंग को लेकर अपना दृष्टिकोण पर विचार साझा किया। साथ ही उन्होंने युवा पीढ़ी की बदलती मानसिकता पर भी अपने विचार बताए। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि माता-पिता सबसे अच्छे शिक्षक हैं या नहीं। मैं इस पर कुछ नहीं कह सकता हूँ। मुझे लगता है कि हमारी भावनाएं आड़े आती हैं। हमारे बच्चों को बताया है, उससे ही सीखा है। हमारे बच्चों को यह इच्छा कि वे सब कुछ सही करें और सफल हों और खुद को चोट न पहुंचाएं ऐसा नहीं हो सकता। हम अपने बच्चों के लिए जो सोचते हैं, उससे उन्हें भी नुकसान पहुंच सकता है।

माता-पिता से सीख मिली

अभिषेक बच्चन ने कहा कि मैंने अपने माता-पिता से जो कुछ भी सीखा उसे समझा। वह उनके व्यवहार को देखकर है, जरूरी नहीं कि उन्होंने मुझे जो बताया है, उससे ही सीखा है। अभिषेक बच्चन ने कहा कि मेरे माता पिता ने हमेशा मुझे अपने फैसले खुद लेने की स्वतंत्रता दी। मैं खुद ये सोचता हूँ, कि अगर परिस्थिति में मेरे पापा होते तो क्या करते। उसी हिसाब से मैं भी चीजें करता हूँ।

परवरिश के लेकर बोले अभिषेक
आराध्या की परवरिश को लेकर अभिषेक ने कहा, मुझे लगता है कि आज की जनरेशन वाकई बहुत अलग है। उन्हें किसी भी तरह की पहल से चली आ रही चीजों को जरूरी समझने की जरूरत नहीं है, जैसे हम करते आ रहे हैं। उन्हें लगता है कि वे ये काम बस इसलिए नहीं कर सकते कि उनके माता पिता ने ये काम नहीं किया या मना किया। वे हमेशा कुछ नया करने की कोशिश करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं मानता हूँ कि अगर माता पिता हैं, या कोई उम्र में बड़ा है तो जरूरी नहीं कि वह सही सलाह दे या हर बात का सही जवाब ही दे।

इस फिल्म में नजर आए अभिषेक बच्चन

वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिषेक बच्चन को हाल ही में आई फिल्म आई वाट टू टॉक में देखा गया। हालांकि, यह फिल्म फैंस पर अपना कुछ खास ज़ाद नहीं चला सकी थी। आई वाट टू टॉक अब ओटीटी पर भी रिलीज हो चुकी है। इसकी घोषणा खुद सुजीत सरकार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर की।



धूम 4 की स्टार कास्ट फाइनल? अभिषेक बच्चन को विक्की कौशल ने किया रिप्लेस

बॉलीवुड की एक्शन ड्रामा फिल्म धूम 4 को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि इस फिल्म में नई स्टार कास्ट को फाइनल कर लिया है। अभिषेक बच्चन और उदय चोपड़ा के रोल में कथित तौर पर इस बार बॉलीवुड के ये स्टार्स नजर आएंगे। धूम 4 में विक्की कौशल इस फैंचाइजी में शामिल हो सकते हैं और अभिषेक की जगह ले सकते हैं। धूम 4 में रणबीर कपूर मुख्य खलनायक की भूमिका में होंगे। हालांकि जूनियर बच्चन की जगह कोई और ले सकता है, लेकिन उदय चोपड़ा की जगह कौन ले सकता है? मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्की कौशल ने वाईआरएफ के प्रमुख आदित्य चोपड़ा से मुलाकात की, जिन्होंने अभिनेता को दो प्रोजेक्ट्स में कास्ट करने के लिए कहा है, जिनमें से एक धूम 4 है। विक्की को अभिषेक बच्चन (एसीपी जय दीक्षित) की पुलिस वाले की भूमिका मिलेगी। धूम 4 के अलावा, विक्की को आलिया भट्ट की अल्फा में भी देखा जा सकता है। बहरहाल, अभी तक इसे लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।



फिल्म धूम धाम में प्रतीक गांधी के साथ नजर आने वाली हैं यामी गौतम

प्यार, हंसी और शादी की रस्मों से सजी फिल्म धूम धाम ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में यामी गौतम प्रतीक गांधी के साथ नजर आने वाली हैं। फिल्म का निर्देशन ऋषम सेठ ने किया है। फिल्म का प्रोडक्शन आदित्य धर और लोकेश धर ने किया है। फिल्म 14 फरवरी यानी वैलेंटाइन डे पर रिलीज होने वाली है।

ऐसी है फिल्म की कहानी यामी गौतम और प्रतीक गांधी की जोड़ी को फिल्म में देखा जाने वाला है। ये कहानी है कोयल और वीर की। वीर एक मम्मा बॉय है जो कि एक एनिमल डॉक्टर भी है। वहीं, यामी गौतम के किरदार कोयल चुलबुली सी लड़की है। फिल्म का टीजर आज नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ है। इसमें कोयल और वीर की लव स्टोरी में ड्रामा और कॉमेडी की मिली जुली झलक दिखाई दे रही है। फिल्म को लेकर आदित्य धर ने कहा कि



वह कुछ अलग और मनोरंजक बनाना चाहते थे। जहां हंसी, एक्शन और रोमांस शामिल हो। फिल्म में फैंस को यामी और प्रतीक की जोड़ी देखने को मिलने वाली है।

इस ओटीटी पर रिलीज होगी फिल्म

यामी गौतम और प्रतीक गांधी की फिल्म धूम धाम ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। ओरिजन फिल्म की निदेशक रुचिका कपूर शेख ने कहा, धूम धाम एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जो शादी के दिन कुछ अलग सी ही चीजें लेकर आता है। इस फिल्म के जरिए हम अपने दर्शकों का मनोरंजन कर सकेंगे।

हॉलीवुड की प्रमुख अभिनेत्रियों के बराबर हैं बॉलीवुड की सबसे स्टाइलिश अदाकारा मौनी रॉय

मौनी रॉय को भारत की सबसे स्टाइलिश स्टार्स में से एक के रूप में तेजी से उभरना सराप्रज्ञ से कम नहीं है। प्रेस इवेंट में चमकदार उपस्थिति से लेकर लंदन फैशन वीक में धूम मचाने और यहां तक कि इबीसा में आकर्षक हॉलिडे लुक पेश करने तक, मौनी की फैशन यात्रा ग्लोबल ट्रेंड और व्यक्तिगत आकर्षण का एक बेहतरीन मिश्रण दर्शाती है। जो चीज उन्हें अपने कई समकालीनों से अलग करती है, वह अपने विशिष्ट, फैशन-फॉरवर्ड सौंदर्य के प्रति सच्चे रहते हुए सहजता से हॉलीवुड-स्तर के ग्लैमर को प्रसारित करने की उनकी क्षमता है। चाहे वह बोलड मोनोक्रोम सूट, रॉकिंग स्ट्रुड्स कॉउवर गाउन, या जीवित वेंकेशन वियर को अपनाना हो, मौनी की पोशाक पसंद हमेशा सही केंद्र पर होती है। विस्तार पर उनकी पैनी नजर, त्रुटिहीन एक्सेसरीज का चयन, और क्या काम करता है इसकी सहज समझ उन्हें हर जगह महिलाओं के लिए स्टाइल प्रेरणा बनाती है। सहज फैशन - मौनी रॉय की फैशन पसंद सोफिस्टिकेशन, टाइमलेस और कॉन्ट्रोवर्सी स्वभाव के बीच एक आदर्श संतुलन दर्शाती है। चाहे वह रेड कार्पेट इवेंट हो या इबीसा में छुट्टी पर एक आकर्षक दिन, उनका लुक शानदार, टाइट और हमेशा अंतरराष्ट्रीय रुझानों के साथ तालमेल में होता है, जो उन्हें अपने साथियों के बीच अलग बनाता है। हॉलीवुड आइकॉन के बराबर रेड कार्पेट ग्लैमर - कान्स के ग्लैमर को उजागर करने वाले शानदार गाउन से लेकर हॉलीवुड के सर्वश्रेष्ठ संरचित एलबीडी तक, मौनी की रेड कार्पेट उपस्थिति

अनुग्रह और शिष्टता में एक मास्टरवर्क हो रही है। वह सुनिश्चित करती है कि उनका लुक विश्व स्तर पर प्रासंगिक और इस्टाब्लिश-योग्य हो। रुझानों के प्रति एक साहसी दृष्टिकोण - हॉलीवुड के ट्रेंडसेटर्स की तरह, मौनी प्रेस मीट, मूवी स्क्रीनिंग और डेट नाइट्स में फैशन-फॉरवर्ड शैलियों के साथ प्रयोग करने में निरंतर है। उन्होंने विविध सौंदर्यशास्त्र को अपनाने में अपनी बहुमुखी प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते हुए, बोलड मोनोक्रोमेटिक पावर सूट से लेकर अलौकिक लहंगे तक सब कुछ सफलतापूर्वक किया है।

बेदाग स्टाइल और बारीकियों पर ध्यान - मौनी अपने लुक को सटीकता के साथ तैयार करती हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर चीज - बाल और मेकअप से लेकर पोशाक समन्वय तक - सहजता से फिट बैठता है और एक कहानी कहता है। विस्तार पर उनका बहुत ध्यान और उच्च गुणवत्ता वाली टेलरिंग के प्रति प्रतिबद्धता उन्हें हॉलीवुड के अभिजात वर्ग की तुलना में एक शानदार बड़ देती है।



बॉलीवुड में करियर बनाना चाहते हैं यशवर्धन

बॉलीवुड स्टार किड्स का फिल्मों में आना कोई नई बात नहीं है। हाल ही में रवीना टंडन की बेटी राधा थडानी और अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन ने फिल्म आजाद के जरिए अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन फिल्म में राधा का डांस और अभिनय प्रशंसकों को बेहद पसंद आया। वहीं अब गोविंदा के बेटे यशवर्धन भी बॉलीवुड फिल्मों में अपनी किस्मत आजमाने जा रहे हैं।

गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहुजा और बाबिल एक फिल्म में साथ काम सकते हैं। कथित तौर पर यशवर्धन आहुजा, साई राजेश द्वारा निर्देशित आगामी आनाम रोमांटिक ड्रामा में नजर आ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में एक और स्टार किड भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आ सकता है। दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान हैं।

पिता के नवशेकदम पर यशवर्धन
दरअसल, कथित तौर पर फिल्म निर्माता अपनी रोमांटिक फिल्म के लिए नए चेहरा चाहते हैं, जिसके चलते बाबिल खान और यशवर्धन आहुजा को कास्ट करने की योजना बनाई जा रही है। अब अरविंद और एसकेएन फिल्म के सहयोग से मधु मटेना द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन साई राजेश करेंगे, जो कलर फोटो, हृदय कलेयम और बेबी जैसी बेहतरीन तमिल फिल्मों के लिए प्रसिद्ध हैं।

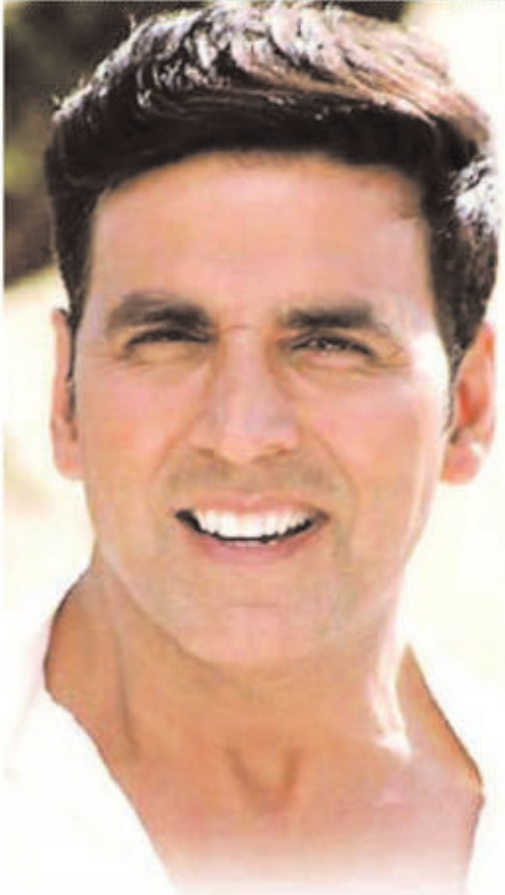
साउथ फिल्म कन्नप्पा में महादेव के किरदार में नजर आएंगे अक्षय कुमार

साउथ फिल्म कन्नप्पा का एलान पिछले साल हुआ था। फिल्म से लगातार हर एक अभिनेता का लुक सामने आ चुका है। विष्णु मांचू से लेकर माता पार्वती के किरदार में काजल अग्रवाल का लुक भी सामने आ चुका है। वहीं आज कुछ ही देर पहले अक्षय कुमार का महादेव के रुद्र अवतार में लुक जारी किया गया है। इस लुक के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। इन दिनों अक्षय कुमार अपनी आगामी फिल्म स्काई फॉर्स को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच आज फिल्म निर्माताओं ने साउथ फिल्म कन्नप्पा से अक्षय कुमार के लुक का एक पोस्टर जारी किया है, जिससे साफ हो गया है कि अक्षय कुमार फिल्म में महादेव की भूमिका में नजर आएंगे। कन्नप्पा मूवी से अक्षय कुमार का फुल लुक सामने आ चुका है। वह कन्नप्पा में महादेव की भूमिका में नजर आएंगे। पोस्टर में खिलाड़ी कुमार एक हाथ में त्रिशूल और एक हाथ में डमरू लिए हुए नजर आ

रहे हैं। साथ ही उनके माथे पर भस्म लगी हुई है। भगवान शिव के अवतार में उन्हें एक बार फिर से देखकर उनके प्रशंसक बेहद खुश हैं। इस फिल्म से पहले अक्षय फिल्म ओ माय गॉड में भगवान शिव की भूमिका निभा चुके हैं। अक्षय कुमार ने कन्नप्पा से अपना लुक शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, कन्नप्पा के लिए महादेव की पवित्र आभा में कदम रखते हुए। इस महाकाव्य कथा को जीवंत करने का गौरव प्राप्त हुआ है। भगवान शिव इस दिव्य सफर में हमारा मार्गदर्शन करें। ओम नमः शिवाय। मोहन बाबू निर्मित कन्नप्पा में लीड रोल में विष्णु मांचू निभा रहे हैं। भगवान शिव पर आधारित पौराणिक फिल्म में प्रभास, अक्षय कुमार, मोहनलाल, सरथकुमार, मधु, मोहन बाबू, काजल अग्रवाल और ब्रह्मनंदन जैसे खिंतार अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म इसी साल 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दलपति 69 के बाद एक और फिल्म करेंगे विजय? आधिकारिक घोषणा का इंतजार

दलपति विजय इन दिनों अपनी आगामी फिल्म दलपति 69 को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। हालांकि, पहले यह जानकारी सामने आई थी कि इस फिल्म को पूरी करने के बाद वह फिल्मों से संन्यास ले लेंगे, लेकिन अब जानकारी के अनुसार दलपति 70 भी आ सकती है, जिसने प्रशंसकों की उत्सुकता को और अधिक बढ़ा दिया है। विजय की अगली फिल्म का नाम दलपति 70 हो सकता है? कथित तौर पर पिछले साल विजय ने अपने प्रशंसकों से कहा था कि दलपति 69 के सिनेमाघरों में आने के बाद वह फिल्म छोड़ देंगे और सक्रिय राजनीति में अधिक समय बिताएंगे। लेकिन अब मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दलपति 69 के बाद दलपति 70 में भी नजर आ सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो यह विजय के प्रशंसकों के लिए बहुत बड़ी सौगात होगी। पिछले कुछ दिनों से, अटकलें लगाई जा रही हैं कि विजय अपनी 70वीं फिल्म में अभिनय करने पर विचार कर रहे हैं। जाहिर है, अभिनेता ने अपने द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम निर्देशक वेंकट प्रभु से अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए स्क्रिप्ट लिखने के लिए कहा है। तमिल प्रोडक्शन हाउस 7 स्क्रीन स्टूडियो, जिसने विजय की मास्टर और लियो को बनाया था, दलपति 70 को बनाएगा। कहने की जरूरत नहीं है कि विजय के प्रशंसक चल रही चर्चा से बहुत खुश हैं, और वे इस आगामी परियोजना के बारे में आधिकारिक घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।





ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कैरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कैरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कैरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशन नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कैरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कैरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नहीं हैं, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिनदगी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कैरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं-

ऐसे बनाएं कैरियर

कैरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कैरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कैरियर की शुरुआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के

क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कैरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कैरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपको गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपको उनके प्रति व्यवहार कैसा होना, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कैरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर ट्रेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।



एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फ्लेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कैरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कैरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉफ्टेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद ड्रिंक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉफ्टेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कैरियर के बारे में बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की ड्रिंक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गेनाइज करना, कस्टमर्स को नए ड्रिंक्स के बारे में बताना और उन्हें रेंटरेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी

कैसे बनें लेखपाल? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगर आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बता रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरूरी नहीं है। आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं - लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगर आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है। लेखपाल दो तरह के होते हैं - राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

आपको किसी भी स्टीम से बारहवीं पास होना चाहिए।

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कैरियर

जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कैरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फ्लेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण

पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कैरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्तरां के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैVERN आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरुआती दौर में आप दो से तीन लाख रूपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग टेक्नोलॉजी - एप्पाइंड नुटीसन, कोलकाता
- सेंटमरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला



टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और वलीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावायरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, दाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरतें तो कम नहीं हुई हैं, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एव प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रूप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यूं ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सच्ची बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है। कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएं और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से देंगे? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद कैनुवा जैसी ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कॉन्टेक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के

जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑनलरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारी में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढ़ाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूट करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलिटि हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चुक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्राहक करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरू करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और वलीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अनहेल्थी फील होता है तो आप अपने बच्चे को दवा दे देंगे। स्वाद के लिए अपने मेन्यू में आप कई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मेन्यू जरूर बना सकते हैं। त्यौहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8:00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सएप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।



8 शोखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शनिवार
25 जनवरी, 2025

क्षतिग्रस्त सड़क का पुन डामरीकरण शुरू



जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। ग्राम कमालसर से दिलाई जाने वाली क्षतिग्रस्त सड़क का पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार के प्रयासों पुनः डामरीकरण का कार्य शुरू किया गया जिसका विधिवत श्री गणेश जिला प्रमुख हर्षनी कुलहरी के मुख्य आतिथ्य व पूर्व सरपंच संघ जिला अध्यक्ष सज्जन पूनियां की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर जिला प्रमुख ने ठेकेदार को शानदार सड़क बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि कालिटी में कोई समझौता बदरिप्त नहीं होगा। इस अवसर पर सज्जन पूनियां ने कहा कि यह रोड काफी दिनों से खराब पड़ी थी जिसकी मांग काफी दिनों से चल रही थी। पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार ने अभी चार सड़को का पुनः डामरीकरण स्वीकृत करवाया है जिनकी लागत 1.80 करोड़ है जिसमे कमालसर से दिलाई भी स्वीकृत है। इस मौके पर मोजास सरपंच मुकेश झाड़ुरिया, अमीलाल मौल भोजासर, पातोदा पूर्व सरपंच मनोज, भागचंद फौजी, दिलीप कुमार, रणजीत पूनियां, बनवारी जागिड़, ठेकदार समशाद सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

रघुनाथपुरा में विशाल निशुल्क चिकित्सा शिविर कल

जयपुर टाइम्स

गुढ़ागौड़जी(निस)। रघुनाथपुरा के मुकेश रेपस्वाल की याद में रविवार को विशाल निशुल्क चिकित्सा व परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में निशुल्क दवा व निशुल्क जांच होंगी। सुमेरसिंह रेपस्वाल ने बताया कि रविवार सुबह 11 बजे शिव गौशाला में शिविर का आयोजन होगा। जिसमें शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ जोगेंद्र गढ़वाल, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ शर्मिला, नशा मुक्ति व मनोरोग विशेषज्ञ डॉ नवीन कुल्हरी, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ दीपक झाड़ाड़िया, जनरल फिज़िशियन डॉ विकास चौधरी, मुख व दंत रोग विशेषज्ञ डॉ संदीप चौधरी, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अभिषेक सेवाएं देंगे। रेपस्वाल ने बताया कि शिविर में मरीजों के लिए एम्बुलेंस सेवा भी उपलब्ध रहेगी। साथ ही आंखों की फेवो मशीन से, पेशाब, खून, बीपी, शुगर और ईसीजी की जांचें निशुल्क होंगी।

शहीद सूबेदार भवानी सिंह शेखावत की मूर्ति का अनावरण 27 को

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। पातोदा गांव के शहीद सूबेदार भवानी सिंह शेखावत की मूर्ति का अनावरण समारोह 27 जनवरी को आयोजित होगा। गांव के खेल मैदान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पातोदा में मूर्ति अनावरण समारोह सुबह 11.15 बजे होगा। सरपंच राजपाल सैनी व पदम्त्री व पूर्व सरपंच रघुवीर सिंह शेखावत ने बताया कि जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ होंगे। विशिष्ट अतिथि मंडावा विधायक रीटा चौधरी, पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार खीचड़, ठाकुर अंगद देव सिंह मंडावा, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल अनिल कुमार पुनिया व विद्यालय के प्राचार्य फारुख अली खान होंगे।

जन अभाव अभियोग निराकरण समिति की बैठक में कलेक्टर ने प्रकरणों पर की चर्चा



जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। जिला जन अभाव अभियोग निराकरण व सतर्कता समिति की बैठक गुरुवार को जिला कलेक्टर रामावतार मीणा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में समिति स्तर पर 13 विचाराधीन प्रकरणों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। जिला कलेक्टर ने बैठक के दौरान प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए और संबंधित विभागों से उनकी ओर से उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी। उन्होंने कहा कि जन समस्याओं का समय पर समाधान करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। कलेक्टर मीणा ने निर्देश दिए कि समस्याओं का समाधान समय सीमा के भीतर किया जाए और प्रकरणों की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाए। बैठक में सुरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार, एडीएम अजय कुमार आर्य, एडिशनल एसपी हेमंत कुमार, झुंझुनू एसडीएम हवाई सिंह यादव, मलसीसर एसडीएम पंकज शर्मा, मंडावा एसडीएम मुनेश कुमार, नगर परिषद आयुक्त दिलीप पुनिया, विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता एम के टीबड़, एसईओ रामनिवास चौधरी, नवलगढ़ प्रधान दिनेश सुडा आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आज

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम न्यू राजस्थान बालिका महाविद्यालय में आयोजित किया जाएगा। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक विप्लव न्यूला ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे शुरू होगा। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर रामावतार मीणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में 20 महिलाओं को सिलाई मशीनों का वितरित की जाएगी। इसके साथ ही महिलाओं के स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर भी आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्र की प्रतिभाशाली बालिकाओं को सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों को सराहा जाएगा।

बेटी को मत समझो भार, ये तो है जीवन का आधार

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राजस्थान महिला कल्याण मंडल चूरू की परियोजना एक्सेस टू जस्टिस फ़ोर चिल्ड्रन फ़ेस थी के जिला समन्वयक रुकेया पठान की नेतृत्व में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नाकरासर में राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में संस्था की टीम से सुमन चोपड़ा ने बच्चों को राष्ट्रीय बालिका दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सुरक्षित व सुरक्षित स्पर्श की जानकारी दी। साथ ही सतर्क रहकर सुरक्षित रहने के लिए बच्चों को संबोधित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य भंवरलाल गुर्जर ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा व सुरक्षा सर्वश्रेष्ठ है। शिक्षा से ही उज्जवल भविष्य का निर्माण होगा, जब बच्चों का बचपन ही सुरक्षित नहीं रहेगा तो उनका विकास कैसे होगा, इसलिए बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना अति आवश्यक है। काउंसलर ज्योति वागड़ी ने बाल विवाह के दुष्प्रभाव की जानकारी दी। संस्था के फील्ड कोऑर्डिनेटर, मुबारिक अली की ओर



से बच्चों के मध्य प्रश्नोत्तरी करवाई गई प्रतियोगिता में 50 से अधिक विद्यार्थियों ने भागीदारी ली। प्रतियोगिता में विजय बच्चों को उपहार भेंट करके पुरस्कृत किया गया। बच्चों को बाल विवाह रोकथाम के लिए शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्य भंवरलाल गुर्जर ने की गई। प्राचार्य

ने संस्था की प्रशंसा की। मंच का संचालन एमीचंद व्याख्याता ने किया। संस्था को धन्यवाद के रूप में प्रशंसा पत्र दिया। कार्यक्रम में व्याख्याता यशपाल कुमार बेनीवाल, सरोज खिलेरी, वरिष्ठ अध्यापक सज्जन कुमार लाटा, अमर सिंह, रेखा शर्मा, राजबाला शिक्षक संपत शर्मा व संतोष कंसवा उपस्थित रहे।

जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन के संबंध में दिया प्रशिक्षण

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। बुहाना पंचायत समिति सभागार में शुक्रवार को जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन सांख्यिकी अधिकारी सरिता यादव की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन की जानकारी दी गई। कार्यशाला का संचालन प्रगति प्रसार अधिकारी अमर सिंह ने किया। कार्यशाला में ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी नरेन्द्र कुमावत, डॉ. हुकुम सिंह, डॉ. अरविन्द सैनी, डॉ. प्रियादर्शना, डॉ. सरिता जागिड़, डॉ. वर्षा दहिया, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर सिंधाना सुरेन्द्र कुमार, सांख्यिकी निरीक्षक दीपक कुमार, वरिष्ठ सहायक प्रविण कुमार, संगणक अकित कुमार व पूजा कुमारी और सभी रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन) व उप रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु पंजीयन) आदि उपस्थित रहे।

सड़कों की समस्या को लेकर ऑटो चालक 27 जनवरी को करेंगे चक्काजाम

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर में मुख्य सड़कों सहित अनेक सड़कों की खस्ता हालत को लेकर ऑटो चालक संघ की ओर से 27 जनवरी को ऑटो चालक संघ की बैठक कर चक्का जाम हड़ताल करने का निर्णय लिया गया है। संघ के अध्यक्ष प्रकाश भोजक ने बताया कि ऑटो चालक संघ के बैनर तले कई बार पीडब्ल्यूडी अधिकारी, एसडीएम कार्यालय, नगर परिषद के सभापति व अधिकारियों को जापन देने के बाद भी शहर की टूटी हुई सड़कों का कोई समाधान नहीं किया गया। जिससे आक्रोशित होकर ऑटो चालक संघ की ओर से 27 जनवरी को शहर में चक्का जाम हड़ताल करने का निर्णय लिया गया है। फिर भी हमारी मांगों पर संज्ञान नहीं लिया गया तो हमारी चक्का जाम हड़ताल आगे भी जारी रहेगी। ताल मैदान में ऑटो चालकों ने बैठक कर 27 जनवरी को चक्का जाम हड़ताल करने के लिए समर्थन की अपील की। हड़ताल में स्कूल में लगे ऑटो, दूध सप्लाई में लगे ऑटो सहित सभी ऑटो चालकों ने हड़ताल में शामिल होने का समर्थन किया है। इस अवसर पर प्रदीप भागव, प्रकाश भोजक, मुन्शी सब्जीफरोस, भंवरलाल माली, उम्मेद नाई, महावीर दुबे, कनकमल नाई, संपत भाट सहित बड़ी संख्या में ऑटो चालक मौजूद रहे।

नेहरू युवा केंद्र के छात्र-छात्राओं ने चलाया यातायात जागरूकता अभियान



जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। नेहरू युवा केन्द्र (माय भारत) झुंझुनू के 24 छात्र-छात्राओं को जिला मुख्यालय के विभिन्न पोंईटो पर यातायात शाखा की ओर से यातायात नियमों की जानकारी दी गई। छात्र-छात्राओं की ओर से बतौर स्वयं सेवक यातायात पोंईटो पर 17 से 23 जनवरी तक आमजन / वाहन चालकों को ओवर स्पीड में वाहन नहीं चलाने, सीट बेल्ट व हेलमेट लगाने, वाहन के कागजात पूर्ण रखने, यातायात नियमों की पालना करने के लिए मुहिम चलाकर जानकारी दी गई और यातायात शाखा, झुंझुनू से गांधी चौक तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत जागरूकता अभियान से यातायात नियमों की जानकारी दी गई। रिजर्व पुलिस लाइन, झुंझुनू में छात्र-छात्राओं को उनके सराहनीय योगदान पर उप महानिरीक्षक पुलिस, जिला झुंझुनू ने सम्मानित किया। तत्पश्चात छात्र-छात्राओं व पुलिस कार्मिकों को ऑफन थियेटर में फिल्म् दिखाई गई।

मिस्का चौधरी ने नेशनल स्पोर्ट्स क्लाईबिंग में गोल्ड और सिल्वर मेडल जीता



जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। खालासी गांव की बेटी मिस्का चौधरी ने बेंगलुरु में हुई 28वीं नेशनल स्पोर्ट्स क्लाईबिंग चैंपियनशिप 2025 में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। उन्होंने बोल्टर प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल और स्पीड क्लाईबिंग में सिल्वर मेडल जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया।मिस्का पहले भी कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं। उन्होंने उत्तरकाशी में 26वीं नेशनल प्रतियोगिता, बेंगलुरु में 27वीं नेशनल प्रतियोगिता और जमशेदपुर में एशियन क्रिड्स चैंपियनशिप में भाग लेकर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। इसके अलावा मिस्का ने सिंगापुर में आयोजित एशियन यूथ कप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए स्पीड क्लाईबिंग में अपनी छाप छोड़ी। उनकी इस उपलब्धि से खालासी गांव में उत्सव जैसा माहौल है और हर कोई उनकी सफलता पर गर्व महसूस कर रहा है। आबूसर निवासी मिस्का के नाना फूलचंद चाहर ने कहा कि बेहिती की यह उपलब्धि न केवल हमारे परिवार बल्कि पूरे झुंझुनू जिले के लिए गर्व का विषय है। उसकी इस सफलता से क्षेत्र में खेलों के प्रति नई प्रेरणा और ऊर्जा का संचार होगा।

दो दिवसीय स्पोर्ट्स मीट में दिखाया दमखम



जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। स्थानीय न्यू राजस्थान पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय स्पोर्ट्स मीट में प्रथम दिवस में क्रिकेट मैच का आरम्भ टॉस से संस्था सचिव इजी. पीयूष दूकिया ने उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शिक्षा का छात्र जीवन में जीतना महत्व है, उतना ही खेलों का भी है, इसलिए सभी छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ अधिक से अधिक खेलों में हिस्सा लेना चाहिए। क्योंकि खेल जहां उन्हें सेहत प्रदान करते है, वहीं उनके शारीरिक व मानसिक विकास में भी अहम योगदान देते हैं। स्पोर्ट्स मीट के दौरान खेल मैदान पर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। प्रथम दिवस पर प्रतियोगिताओं में क्रिकेट मैच, ब्रिस्कीट रेस, लेमन रेस, कबड्डी, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल मैच का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य निधि सिहाण, शुभकरण खीचड व अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे

वार्षिकोत्सव व उमंग में टॉपर छात्रा को किया सम्मानित



जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। सरपंच मुकेश झाड़ाड़िया ने शहीद भानीसिंह राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय टोंडरवास में शुक्रवार को आयोजित वार्षिकोत्सव व उमंग कार्यक्रम में टॉपर रही छात्रा समीक्षा को साईकिल भेंट की गई। मोजास वॉइस प्रिंसिपल सुशील कुमार विद्यालय प्रधानाचार्य ममता, धर्मपाल, नरेंद्र, प्रीति, सुनिता, राजेन्द्र, प्यारेलाल फरडोलिया, राम प्रसाद भद्विया, रामलाल भडिया, रामलाल फरडोलिया, फूलचंद फरडोलिया, पाबूदान सिंह, चीमन सिंह, जवाहर, श्रवण झाड़ाड़िया, बाबूलाल, सांवरमल, राजपाल शर्मा, सुनिल अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। इस मौके पर भामाशाहों व बच्चों को सम्मानित किया।

रजत जयंती बसंतोत्सव

कोलकाता के कलाकारों की सिंदूर
खेला प्रस्तुति रही आकर्षण का केन्द्र

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। शहर के निकटवर्ती गांव दाढ़ण में अखिल भारतीय माँ टीडा गेला बसंतोत्सव परिवार की ओर से टीडा गेला दादी के 25वें अखिल भारतीय रजत जयंती बसंतोत्सव के तहत शुक्रवार को दादी का भव्य मंगल पाठ किया गया। पाठ का वाचन अकोला की नेतल शर्मा ने किया। इस दौरान कोलकाता के बंगाली कलाकारों ने सिंदूर खेला की शानदार प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। इस दौरान उपस्थित महिला शक्ति ने अपने मस्तिष्क पर सुहाग के प्रतीक दादी का पवित्र सिंदूर लगाकर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर कलाकारों की ओर से दी गई माँ अंबे की प्रस्तुति सभी के आकर्षण का केन्द्र रही। पाठ के अन्तर्गत राजस्थान के सभी देवी- देवताओं का प्रस्तुतियों के माध्यम से गुणगान किया गया। पाठ के दौरान श्रद्धालु झूमने पर मजबूर हो गए। मंगलपाठ के बाद दादी की भव्य आरती की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित रहे। इसी क्रम में शुक्रवार शाम उज्जैन के बाबा महाकाल के अनन्य किशन भगत की ओर से दी गई एक शाम शिव शक्ति के नाम की प्रस्तुति ने उपस्थित श्रोताओं का मन मोहा। देश विदेश से आए हजारों भक्तों ने कार्यक्रम का जमकर लुप्त उठाया। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि शनिवार को विषय विख्यात अनुप जलोटा व कविता पौडवाल की ओर से आकर्षक भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। समिति के पदाधिकारियों ने सभी का आभार व्यक्त किया।

एक्सपोजर विजिट में विद्यार्थियों ने किया परस्पर संवाद



जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। भारत सरकार के स्टार प्रोजेक्ट व शिक्षा विभाग की ओर से जागृति आंगन कार्यक्रम अन्तर्गत चयनित जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जान्दवा में शुक्रवार को सुजानगढ़, बीदासर और रतनगढ़ ब्लॉक के कुल 60 विद्यार्थियों की एक्सपोजर विजिट आयोजित की गई। रतनगढ़ सीबीईओ उमेश जाखड़ ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। सीबीईओ जाखड़ ने कहा कि जागृति आंगन कार्यक्रम से तनों ब्लॉक के विद्यार्थियों के मध्य परस्पर संवाद और नवाचारों की जानकारी से उनके व्यक्तित्व में निखार आएगा। इस अवसर पर जागृति आंगन विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहन सोनी ने बताया कि विद्यालय में जल संरक्षण के लिए नवाचार किए गए हैं और बूंद- बूंद सिंचाई निधि से पेड़ पौधों में सिंचाई की जाती है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में सामुदायिक सहभागिता और अकादमिक गतिविधियां अनवरत गतिशील रहती हैं। इस अवसर पर महावीर सिंह सारण, नन्दलाल स्वामी, शुभकरण शर्मा व अंजु चौहान, सुजला, सरिता, राजपाल सिंह सहित विद्यालय स्टाफ व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संचालन वरिष्ठ अध्यापक दूलीचंद ने किया।

साइबर ठगी से लूटे गए पैसे आए वापस

भानीपुरा पुलिस ने 1.09 लाख रुपए रिफंड कराए, 12 गुमशुदा मोबाइल भी लौटाए

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। चूरू जिले में साइबर अपराधों से निपटने के लिए चलाए जा रहे साइबर शील्ड अभियान को बड़ी सफलता मिली है। भानीपुरा पुलिस ने साइबर ठगी के शिकार हुए लोगों के 1,09,789 रुपये वापस दिलवाने में सफलता हासिल की है। साथ ही 12 गुमशुदा मोबाइल फोन भी उनके मालिकों को लौटाए गए हैं। जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव के अनुसार महानिदेशक पुलिस राजस्थान के निर्देश पर 2 जनवरी से 31 जनवरी तक साइबर शील्ड अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतपालसिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। भानीपुरा थाने में दर्ज शिकायतों में पिचकराई ताल निवासी दलीप कुमार के खाते से 84,999 रुपये, साडासर निवासी भरतसिंह के खाते से 30,000 रुपये और बरजजगज निवासी जंगेश खान के खाते से 3,400 रुपये की साइबर ठगी की गई थी। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फ्रॉड की राशि को ट्रेस किया और न्यायालय के आदेश से पीछितों के खातों में वापस करवाया। थानाधिकारी रायसिंह के नेतृत्व में कांस्टेबल मनीष कुमार और महिला कांस्टेबल दीपिका की टीम ने सीईआईएन पोर्टल पर दर्ज गुमशुदा मोबाइल फोन को भी ट्रेस कर उनके मालिकों को लौटाने में सफलता हासिल की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार अन्य मामलों में भी कार्रवाई जारी है।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम: जिला स्तरीय जागरूकता शिविर

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में शुक्रवार को जिला मुख्यालय स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम अंतर्गत एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के युवा छात्र-छात्राओं और अन्य बेरोजगार युवाओं ने भाग लिया। शिविर में खादी व ग्रामीणोद्योग आयोग, बीकानेर मण्डलीय कार्यालय सहायक निदेशक जेपी सिंह, उद्योग महाप्रबंधक उजाला, एलडीएम अमर सिंह, आरसेटी निदेशक अमनदीप व औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान उपनिदेशक नेहा सैनी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सहायक निदेशक जेपी सिंह ने पीपीटी के माध्यम से पीएमईजीपी योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि योजनांतर्गत वित्तीय संस्थान से मार्जिन मनी अनुदान युक्त ऋण प्राप्त कर इच्छुक लाभार्थी अपना स्वयं का उद्यम स्थापित कर सकते हैं। एलडीएम अमर सिंह ने बैंक से ऋण लेने संबंधी प्रक्रिया की जानकारी देते हुए आगंतुकों को ऋण लेकर अपना स्वयं का उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। आरसेटी निदेशक अमनदीप ने पीएमईजीपी योजनांतर्गत ईडीपी ट्रेनिंग के संबंध में जानकारी दी।

नागरिकों की सुविधाओं के विस्तार में अनूठी पहल है चूरू 311 एप्प: राठौड़

पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ व जिला
कलक्टर अभिषेक सुराणा ने की
चूरू 311 एप्प की लॉन्चिंगजिले में 22 से 24 फरवरी को
आयोजित होगा चूरू महोत्सव

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ व जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने शुक्रवार को चूरू नगर परिषद कार्यालय में नगर परिषद की ओर से विशेष पहल चूरू 311 एप्प की लॉन्चिंग की। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि चूरू 311 एप्प चूरू के नागरिकों की सुविधाओं के विस्तार में अनूठी पहल है। जिले में हो रहे नवाचारों से आमजन की सुविधाओं का विस्तार हो रहा है और उन्हें बेहतरीन सुविधाएं मुहैया हो रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मशंजोरूप डिजिटल इंडिया की कल्पना साकार हो रही है और इसी कल्पना में चूरू भी समागतात् आगे बढ़ रहा है। चूरू 311 एप्प से चूरू के निवासियों को डिजिटल युग में अनूठी सुविधाएं मिलेंगी। एक क्लिक पर विभिन्न जानकारी मिलेगी। इसी के साथ नागरिक अपने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं की शिकायत भी कर सकते हैं। यह ऐप नागरिक सुविधाओं की लिए अनुवाई करने वाला ऐप साबित होगा। उन्होंने कहा



कि जिले में विभिन्न नवाचार हो रहे हैं और एक लंबे ठहराव के बाद चूरू महोत्सव का आयोजन किया जाना चूरू के लिए बड़ी पहल है। हम पुरानी संस्कृति और खान-पान की ओर लौट रहे हैं। चूरू महोत्सव विरासत की ताजा करने का सशक्त माध्यम बनेगा। हम सभी मिलकर महोत्सव को यादगार बनाएं और उन्होंने जिला प्रशासन से कहा कि प्रयास करें कि महोत्सव में लुप्त होती कलाओं, खेल सहित समृद्ध विरासत को सहेजा जाए। राठौड़ ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए अपने पहले बजट में बड़ी सोगात दी और इस वर्ष भी प्रदेश के विकास के लिए नई संभावनाएं मिलेंगी। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि प्रत्येक व्यक्ति की जिला प्रशासन तक सीधी पहुंच हो। एक क्लिक पर

आमजन को बेहतरीन सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि चूरू सहित जिले के सभी 10 नगर निकायों व ग्राम पंचायतों में भी चूरू 311 एप्प की सुविधा उपलब्ध है। आमजन इस पर किसी प्रकार की समस्या की शिकायत करते हैं तो वह सीधी संबंधित अधिकारी के पास पहुंच जाएंगी। यह एप्प नागरिकों की डे टू डे लाइफ में काफी सहयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा 22 से 24 फरवरी को चूरू महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में जिला प्रशासन ने प्रयास किए हैं कि साहित्य और साहित्य जुड़े लोगों को बढ़ावा दें। इसके लिए लिटरेचर फेस्टिवल करवाया जाए व विरासत को पुनर्जीवित किया जा सके। इसी के साथ बच्चों को किताबों व पढ़ने की संस्कृति से जोड़ा जाए। उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि

हर घर जल व बिजली पहुंचाना हमारा नैतिक कर्तव्य: रिणवां

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के सिंखा की ठाणी पातलीसर में पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां सहित जनप्रतिनिधियों ने 33 केवी जीएसएस का शुभारंभ किया गया। आयोजित समारोह में सर्वप्रथम पूजा अर्चना कर जीएसएस पर तिलकाचर्चन कर फीता काटकर विद्युत स्पलाई शुरू कर शुभारंभ किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां, अध्यक्षता भाजपा नेता मधुसूदन राजपुरोहित व विशिष्ट अतिथि डेयरी अध्यक्ष लालचंद मुड़, पूर्व प्रधान भेरूसिंह राजपुरोहित, जिला परिषद सदस्य गिरधारीलाल पारीक, बीडीसी मेंबर इंदरसिंह राजपूत सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां ने कहा कि काम ऐसा करो जिससे सभी को खुशी महसूस हो आपसी भेदभाव मिटाकर सभी को साथ लेकर के जनहित के कार्य करता हूँ, आज इस क्षेत्र के ग्रामीण लोग बड़े सौभाग्यशाली है कि अब उनके खेतों में बिजली की आपूर्ति भरपूर होगी व फसलें लहराएंगी। मेरा काम जन सेवा करना है नेकी कर दिय़ा में डाल, एक हाथ से काम करो तो दूसरे हाथ को पता नहीं चलना चाहिए कि क्या काम हुआ है हम लोगों का यह नैतिक कर्तव्य है कि हर



घर को बिजली व पानी मिलना ही चाहिए और इसी मुख्य उद्देश्य को लेकर में निरंतर आपकी सेवा में कार्य कर रहा हूँ। भाजपा नेता मधुसूदन राजपुरोहित ने कहा कि पंचायत समिति के माध्यम से इन गांवों में भरपूर कार्य पंचायत की ओर से करवाए गए हैं व आगे भी विकास के कार्यों में भाजपा कहीं पर भी कसर नहीं छोड़ेगी व आपके वाजिब काम होते रहेंगे। ग्रामीणों ने डीजे की धुन पर अतिथियों का स्वागत करते हुए साफ़, मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर जिला मंत्री श्याम पारीक, तिलोक जागिड़, पार्षद दीपक वैद, तुलसीराम जोशी, कन्हैयालाल शर्मा, भागीरथ उपाध्याय, राजवीरसिंह राठौड़, रामसिंह पूनियां सहित विधुत विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। संचालन युवा नेता प्रमोद राजपुरोहित ने किया।

गणतंत्र दिवस समारोह का पूर्व अभ्यास, कलक्टर ने लिया तैयारियों का जायजा

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह का शुक्रवार को पूर्व अभ्यास किया गया। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर समारोह की तैयारियों का जायजा लिया और समुचित दिशा- निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समारोह से जुड़े सभी आयोजन गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित हों। कार्यक्रम स्थल पर सभी व्यवस्थाओं का समुचित प्रबंधन



किया जाए। इसके लिए सभी अधिकारी व कर्मचारी सोंपे गए दायित्वों का समुचित निर्वहन करें। इस मौके पर उन्होंने परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम, आगंतुकों के बैठने, पेयजल सहित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस

दौरान एडीएम अर्पिता सोनी, चूरू एसडीएम बिजेन्द्र सिंह, तहसीलदार अशोक गोरा, सीडीईओ गोविंद सिंह राठौड़, आरआई सतवीर मीणा सहित अधिकारी व प्रतिभागी मौजूद रहे।

विधायक गोदारा ने विभागवार की समस्याओं पर चर्चा

सुजानगढ़ पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक में

मनरेगा का वार्षिक प्लान पारित

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। रतनगढ़ विधायक पूसाराम गोदारा ने सुजानगढ़ पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक ली। प्रधान मनभरी मेघवाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल भी मौजूद रहे। बैठक में रतनगढ़ विधायक पूसाराम गोदारा ने विभागवार जन समस्याओं पर चर्चा आमंत्रित की, जिस पर ग्रामीण क्षेत्र की जन समस्याएं लोगों ने रखी। डॉ. प्रदीप सोनी ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र में पशु चिकित्सकों के 24 पद स्वीकृत हैं, लेकिन 10 ही कार्यरत हैं, ऐसे में इन पदों को भरा जाना चाहिए, ताकि पशुपालकों को रहत मिल सके। बैठक में पूसाराम गोदारा ने



सड़कों पर चर्चा के दौरान कहा कि रेलवे ओवर ब्रिज का काम कब शुरू होगा, जानकारी दी जाए। जिस पर सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता हरीगोपाल ने कहा कि 15 फरवरी तक पुल

का काम शुरू हो सकता है। सहायक अभियंता ने बताया कि कुल 69 लोगों के अतिक्रमण इस रास्ते में हैं, जिस पर दोनों निर्माण विभाग के सहायक अभियंता चिंता मत करिए, आप तो छापर साईड की ओर

22 से 24 फरवरी तक आयोजित होगा चूरू महोत्सव

इस मौके पर अतिथियों ने जिला प्रशासन, जिला पुलिस, चूरू नगरपरिषद व संप्रीति फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 22 से 24 फरवरी को जिला मुख्यालय पर रिजर्व पुलिस लाइन खेल मैदान में आयोजित हो रहे चूरू महोत्सव को पोस्टर का विमोचन किया। जारी पोस्टर के अनुसार चूरू महोत्सव में विरासत कार्निवल यात्रा, आर्ट व क्राफ्ट मेला, फन गेम्स, फूड बाजार, डेजर्ट सिंफनी, राजस्थानी लोक संगीत, पारंपरिक लोक नृत्य, राजस्थानी म्यूजियम, विशाल सांस्कृतिक संध्या, कला प्रदर्शनी, विभिन्न कार्यशालाएं, आतिशबाजी शो, लिटरेचर फेस्टिवल, किताबों का संसार, प्रवासी मिलन उत्सव, गोंवशी अर्वाइंस, कवि सम्मेलन, मेगा पेंटिंग प्रदर्शनी, एडवेंचर गतिविधियां सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसी क्रम में मिस/मिस्टर/मिसेज चूरू प्रतियोगिता, एकल व समूह नृत्य प्रतियोगिता, स्पोर्ट शॉर्ट वीडियो प्रतियोगिता, पारंपरिक परिधान प्रतियोगिता, गायन प्रतियोगिता, कविता पाठ, प्रतियोगिता, लोक गीत प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता, वादन प्रतियोगिता, स्पोर्ट पेंटिंग प्रतियोगिता, स्पोर्ट क्रिज प्रतियोगिता व रंगोली प्रतियोगिता सहित प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

हम सभी चूरू महोत्सव के सफल आयोजन के लिए अपने सुझाव दें और सभी मिलकर सहयोग की भावना से काम करें। इस अवसर पर बसंत शर्मा, विमला गढ़वाल, सुरेश सारस्वत, भास्कर शर्मा, सतार खान, गोपाल बालाण, मोहन गढ़वाल, नारायण बेनीवाल सहित अतिथि मंचस्थ रहे। आयुक्त अभिलाषा सिंह, भारत भूषण पूनिया, अंकुर, कैलाश आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों ने चूरू 311 एप्प की लॉन्चिंग की। आयुक्त अभिलाषा सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि जिला कलक्टर का भी अभिषेक सुराणा के मार्गदर्शन में आमजन को बेहतर सुविधाएं मुहैया करवाने की दृष्टि से जिला नवाचार निधि के माध्यम से चूरू

311 एप्प विकसित किया गया है। आमजन इस एप्प के माध्यम से फायर एनग्रेसी, ट्रेड लाइसेंस सहित विभिन्न सेवाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं, वहां साथ ही नजदीकी अस्पताल, नजदीकी पुलिस थाने, प्रशासनिक अधिकारियों के संपर्क नंबर सहित विभिन्न जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे। आमजन अपने क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न शिकायतें भी दर्ज कर सकेंगे। कार्यक्रम का संचालन मुकुल भाटी ने किया। इस मौके पर पूर्व मंत्री राठौड़ ने नगरपरिषद कार्यालय के पार्क में बनाई गई पब्लिक पार्क लाइब्रेरी का भी अवलोकन किया और कहा कि यह नवाचार आमजन में पुस्तक संस्कृति लौटाने में बहुत सहयोगी साबित होगा।

जल बचाने की जानकारी देकर विद्यार्थियों को किया जागरूक

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर में नई पेयजल वितरण प्रणाली का कार्य कर रही आरयूआईडीपी के सामुदायिक जागरूकता व जन सहभागिता कार्यक्रम के तहत शहर के एसआर एजुकेशन ग्रुप में विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सरकार की ओर से चलाई जा रही लाभकारी विकास परियोजना के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने अपने ही स्कूल में जल अंकेक्षण किया। कार्यक्रम में सामाजिक विकास अधिकारी विकास शर्मा ने बताया कि जल है तो कल है बावजूद इसके जल बेवहज बर्बाद किया जाता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जल-संकट का समाधान जल के संरक्षण से ही है। हम हमेशा से सुनते आए हैं जल ही जीवन है। जल के बिना सुनहरे कल की कल्पना नहीं की जा सकती। जीवन के सभी कार्यों का निष्पादन करने के लिये जल की आवश्यकता होती है। पृथ्वी पर उपलब्ध एक बहुमूल्य संसाधन है जल, या यूं कहें कि यही सभी सजीवों के जीने का आधार है जल। जैसे जैसे गर्मी बढ़ रही है देश के कई हिस्सों में पानी की समस्या विकराल रूप धारण कर रही है। प्रतिवर्ष यह समस्या पहले के मुकाबले और बढ़ती जाती है। लेकिन हम हमेशा यही सोचते हैं बस जैसे तैसे गर्मी का सीजन निकल जाए बारिश आते ही पानी की समस्या दूर हो जायेगी और यह सोचकर जल संरक्षण के प्रति बेरुखी अपनाये रहते हैं। शुद्ध पेयजल की अनुपलब्धता और संवर्धित ढेरों समस्याओं को जानने के बावजूद देश की बड़ी आबादी



जल संरक्षण के प्रति सचेत नहीं है। जहां लोगों को मुश्किल से पानी मिलता है वहां लोग जल की महत्ता को समझ रहे हैं। लेकिन जिसे बिना किसी परेशानी के जल मिल रहा है वह बेपरवाह नजर आ रहे हैं। आज भी शहरों में फर्श चमकाने, गाड़ी धोने और गैर-जरूरी कार्यों में पानी को निर्ममतापूर्वक जल बहाया जाता है। वो दिन दूर नहीं जब हम सरदारशहर में भी इसी तरह पानी को बर्बाद करते रहे तो यही हाल अपने शहर का होगा। ऐसी स्थिति सरकार और आम जनता दोनों के लिए चिंता का विषय है। इस दिशा में अगर त्वरित कदम उठाते हुए सार्यक पहल की जाए तो स्थिति बहुत हद तक नियंत्रण में रखी जा सकती है। अन्यथा अगले कुछ वर्ष हम सबके लिए चुनौतिपूर्ण साबित होंगे। स्कूल प्रिंसीपल मोहसीन बहलीम ने जल के महत्व पर प्रकाश डाला व आरयूआईडीपी की ओर से इस तरह की पहल की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों को इस तरह जल के प्रति जागरूक करने से छोटी उम्र से ही बच्चों में जल संरक्षण की भावना आएगी। सोशल आउटरीच टीम से पवन सिंह व अध्यापक दलीप, सालमान, सिमरन, मुस्कान ने कार्यक्रम में भाग लिया।

गणतंत्र दिवस पर स्वर्ण जयंती स्टेडियम में होगा जिला स्तरीय समारोह

जयपुर टाइम्स

दुबुनू(निस)। गणतंत्र दिवस का जिला स्तरीय समारोह स्वर्ण जयंती स्टेडियम पर आयोजित होगा, जहां पर जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ध्वजारोहण करेंगे। 26 जनवरी को प्रातः 9.15 बजे मुख्य अतिथि की ओर से ध्वजारोहण किया जाएगा, इसके बाद पुलिस बैण्ड द्वारा राष्ट्रीय धुन एवं गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा, मुख्य अतिथि इसके बाद परेड का निरीक्षण करेंगे और मार्च-पारट एवं सलामी लेंगे। अतिरिक्त जिला कलक्टर अजय कुमार आर्य की ओर से राजपाल के संदेश का वाचन किया जाएगा। इस दौरान शहीद सैनिकों के आश्रितों का सम्मान, प्रशस्ति पत्र व पारितोषिक वितरण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, झांकी प्रदर्शन, विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों का सम्मान किया जाएगा।

भाटी, प्रमोद कुमार आदि मौजूद रहे। प्रधान

मनभरी देवी मेघवाल ने आभार प्रकट किया।

677 करोड़ का मनरेगा प्लान पारित

विधायक पूसाराम गोदारा ने बैठक में वर्ष 2025-26 के लिए मनरेगा प्लान आमंत्रित किया। जिस पर विकास अधिकारी रवि कुमार ने सुजानगढ़ पंचायत समिति के 10 हजार 142 कार्यों के लिए कुल 67,693 लाख रुपये का मनरेगा प्लान प्रस्तावित किया, जिसका सभी सदस्यों ने अनुमोदन किया। इस अवसर पर पूसाराम गोदारा ने कहा कि बाकी कोई जनप्रतिनिधि अगले दो तीन दिन में काम बताते हैं, तो उन्हें भी इसमें शामिल कर लिया जाए। धन्यवाद प्रस्ताव के साथ बैठक का समापन हुआ।